RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 अंक : 306 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शनिवार, 25 अक्टूबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

जेवर एयरपोर्ट पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

उद्घाटन की तैयारियों का लिया जायजा, निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज शनिवार को ग्रेटर नोएडा के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का जायजा लेने पहुंचे। मुख्यमंत्री आज 11:40 पर जेवर एयरपोर्ट पहुंचे। मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। साथ ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर की जा रही तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ वार्ता की। जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण का काम लगभग पूरा हो चुका है। शुरुआत में सालाना 50 लाख यात्री आने का अनुमान है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंडन एयरपोर्ट पर राजकीय विमान से आने के बाद हैलीकॉप्टर से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन 30 दिसूंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा सकता है। इस दौरान सीएम योगी ने अधिकारियों के साथ तैयारियों का निरीक्षण कर बैठक भी की तथा उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तैयारियां जोरों पर हैं। एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की जा रही है, जिसमें सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जा रहा है। इसके अलावा एयरपोर्ट के रनवे, टर्मिनल बिल्डिंग और पार्किंग की भी तैयारियां की जा रही हैं। दो दिन पहले ही यात्रियों के आगमन और विमान सेवाएं शुरू करने का सफल ट्रायल भी किया गया था। अधिकारियों का कहना है कि शनिवार को भी यह ट्रायल किया जाएगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और रोजगार सृजन का केंद्र बनेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के विज़न को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री व गौतमबुद्धनगर के जिला प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव व नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक कुमार श्रीवास्तव, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मेधा रूपम, ज्यूरिख कंपनी के सीईओ क्रिस्टोफ श्रेलमैन समेत कई अधिकारी व भाजपा के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा व नोएडा के अध्यक्ष महेश चौहान भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति कल आएंगी गाजियाबाद

गाजियाबाद (चेतना मंच)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रविवार को इंदिरापुरम के नवनिर्मित यशोदा अस्पताल का

उद्घाटन करेंगी। इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राज्यपाल आनंदी बेन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य वीवीआइपी शामिल होंगे। बड़े कार्यक्रम को लेकर पुलिस ने सुरक्षा का खाका तैयार कर लिया है।

केंद्रीय सुरक्षा बलों ने कार्यक्रम को लेकर आयोजन स्थल पर डेरा डाल दिया है। दो हजार से अधिक जवान कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था में लगाए जाएंगे। इस कार्यक्रम को लेकर पुलिस-प्रशासन समेत अन्य विभागों के अधिकारी लगातार बैठकें कर रहे हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति कार्यक्रम स्थल पर करीब एक घंटा रुकेंगी। कार्यक्रम सुबह साढ़े 11 से शुरू होकर साढ़े 12 बजे तक चलेगा।

फ्रिज में लगी आग, दम घुटने से बच्ची की मौत

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र के तुलसी निकेतन चौकी के पीछे एक फ्लैट के फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस घटना में मकान में धुआं फैलने से महिला और उनकी बच्ची बेहोश हो गए। बाद में बच्ची की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि मां वेंटिलेटर पर है। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया।

आग के कारण घर में धुआं भरा हुआ था और इस कारण महिला और बच्ची बेहोश हो गए थे। दोनों को टीम ने तत्काल दिल्ली जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूछताछ में पता चला कि महिला सब्बी परवीन उर्फ पिंकी पत्नी मोहम्मद जाकिर (उम्र 30 वर्ष) है और बच्ची का नाम साइना परवीन (उम्र 6 साल) है। महिला ने बताया कि वह दो दिन पूर्व ही इस फ्लैट में किराए पर शिफ्ट हुए थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सड़क हादसों में बच्चे समेत तीन की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

थाना दादरी क्षेत्र के आजाद नगर कटेरा रोड निवासी नाजिम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 21 अक्टूबर शाम को वह अपनी पत्नी व पांच वर्षीय बेटे अबुजर के साथ बाइक से अपने घर की तरफ आ रहा था। जैसे ही उसकी बाइक निम्स हॉस्पिटल के पास पहुंची तो तेज गति में आ रहे ट्रैक्टर चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में उसके बेटे अबूजर के सिर में गंभीर चोटें आई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। इलाज के लिए अबूजर को अस्पताल में भर्ती कराया गया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

एयरपोर्ट की जमीन पर भूमाफियाओं की नजर 22 पर एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहित की गई जमीन पर अवैध अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रशासन द्वारा लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। अधिग्रहित की गई भूमि पर अवैध अतिक्रमण के आरोप में थाना जेवर में 22 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया कराया गया है।

जेवर तहसील के क्षेत्रीय लेखपाल सोनू चौहान ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जेवर के विस्तारीकरण के लिए ग्राम रंहेरा, करौली बांगर, दयानतपुर, बीरमपुर व मूढरह गांव की भूमि अधिग्रहित की गई थी। इस भूमि पर कुछ लोग अवैध अतिक्रमण कर निर्माण कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा कई बार इन लोगों को पूर्व में नोटिस देकर निर्माण कार्य बंद करने के लिए कहा गया था। (शेष पृष्ठ-3 पर)

छात्र से लैपटॉप बैग छीना

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के जेपी इंस्टिट्यूट के पास दो बदमाश एक छात्र से लैपटॉप बैग छीनकर फरार हो गए। छात्र ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जनपद फर्रुखाबाद के रहने वाले दीपेंद्र कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में गाजियाबाद के इंदिरापुरम में रह रहा है और जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस में पढ़ाई करता है। 16 अक्टूबर की शाम को वह अपने घर फर्रुखाबाद जाने के लिए बस पकड़ने के लिए जा रहा था। जैसे ही वह जेपी इंस्टिट्यूट के पास पहुंचा तो दो अज्ञात व्यक्ति उसके पास आए और उसके हाथ से उसका लैपटॉप बैग छीन कर भाग निकले। उसने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया लेकिन हत्थे नहीं चढ़े। दीपेंद्र कुमार के मुताबिक बैग में लैपटॉप, मोबाइल फोन, लैपटॉप चार्जर, मोबाइल चार्जर व 1300 रुपए रखे हुए थे। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

रबूपुरा के अनिकेत हत्याकांड में तीसरी गिरफ्तारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा क्षेत्र में जन्मदिन पार्टी के दौरान हुई मारपीट में घायल अनिकेत की मौत के मामले में रबूपुरा पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में दो आरोपी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

आपको बता दें कि बीते 15 अक्टूबर को कुछ युवकों ने सुमित कुमार पुत्र लेखराज व अनिकेत पुत्र सतीश निवासीगण मौहल्ला अम्बेडकरनगर थाना व कस्बा रबूपुरा के साथ लाठी डंडो से मारपीट की थी जिसके सम्बन्ध में सुमित कुमार के भाई मोमचन्द पुत्र लेखराज की लिखित तहरीर के आधार पर थाना रबूपुरा में एफआईआर दर्ज की गयी थी। मारपीट में अनिकेत पुत्र सतीश को काफी चोट लगी थी जिसको शारदा अस्पताल ग्रेटर नोएडा जनपद

गौतमबुद्धनगर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था जिसको बाद में लोकनायक अस्पताल दिल्ली में रेफर किया गया, जहां पर घायल अनिकेत की मृत्यु हो गई थी। इस मामले में थाना रबूपुरा पुलिस ने नामजद युवराज मीणा पुत्र पप्पू मीणा व जीतू मीणा पुत्र जुगेन्द्र मीणा निवासीगण कस्बा व थाना रबूपुरा जनपद गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार कर (शेष पृष्ठ-3 पर)

कबाड़ी ने कंपनी से सामान किया चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र की एक कंपनी से बिजली के तार के बंडल व अन्य सामान चोरी हो गया। कंपनी मालिक के मुताबिक बीते दिनों कबाड़ खरीदने आए कबाड़ी ने चोरी की यह घटना की है। चोरी से संबंधित एक सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपी गई है।

सेक्टर-63 के सी ब्लॉक में स्थित जीएस कंट्रोल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में 19 अक्टूबर की रात्रि को चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। कंपनी मालिक गौरव कुमार के मुताबिक उनकी कंपनी से वायर के करीब 36 बंडल, एमसी, स्विप गेयर, रिले व अन्य सामान चोरी हुआ है। चोरी गए सामान की कीमत लाखों रुपए है।

गौरव कुमार के मुताबिक उन्होंने जब कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की तो उसमें एक व्यक्ति कंपनी से सामान चोरी करता हुआ दिखाई दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बातों में उलझाकर कार से उड़ाया बैग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दुर्घटना का नाटक रचकर दो लोगों ने एक कार सवार को अपनी बातों में उलझा लिया। इस दौरान एक व्यक्ति ने कार में रखे बैग को चोरी कर लिया। बैग में लैपटॉप, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज व कुछ नगदी रखी हुई थी। पीड़ित ने थाना बिसरख में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

अंकित अग्रवाल ने दर्ज कराई कोर्ट में बताया कि वह 22 सितंबर की रात्रि को अपनी किया सेल्टोज कार से अपने घर जा रहे थे। जब वह शाहबेरी चौक की तरफ जा रहा था तो ट्रैफिक के कारण उसकी गाड़ी रुक गई। इस दौरान एक व्यक्ति ने बांई तरफ का शीशा पीटना शुरू कर दिया। उसने जब कार का शीशा नीचे किया तो उस व्यक्ति ने कहा कि उसके पैर पर कार का पहिया चढ़ गया है। अंकित अग्रवाल के मुताबिक वह उक्त व्यक्ति से बात कर रहा था। इस दौरान दूसरे व्यक्ति ने उसकी तरफ का शीशा खटखटाकर उसे कार आगे बढ़ाने को कहा।

अंकित अग्रवाल के मुताबिक दोनों लोगों ने उसे अपनी बातों में उलझा लिया। इस दौरान पीछे से लोग लगातार हॉर्न बना रहे थे। जल्दबाजी में उसने अपनी कार को आगे बढ़ा दिया। कुछ दूर जाने पर उसे एहसास हुआ कि कार में रखा लैपटॉप बैग गायब है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

महाप्रबंधक जल ने किया रेनीवेल का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। नौएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (जल विभाग) आर.पी. सिंह ने सैक्टर 15A स्थित नवनिर्मित रेनीवेल साइट 4 का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा जलापूर्ति को 31 अक्टूबर तक प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस मौके पर उनके साथ जलखंड-2 के वरिष्ठ प्रबंधक प्रेम सैन एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद थे।

दो लोगों के मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से चोरों ने महिला सहित दो लोगों के मोबाइल फोन पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना बिसरख क्षेत्र के गुलशन वैलेनिना सोसाइटी में रहने वाली लक्ष्मी सैनी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 16 सितंबर की शाम को सोसायटी के बाहर बनी मार्केट में खरीदारी करने के लिए गई थी। खरीदारी के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका आईफोन 15 प्रो मैक्स चोरी कर लिया। उन्होंने अपने मोबाइल फोन की काफी तलाश की (शेष पृष्ठ-3 पर)

एनएमआरसी को करोड़ों रुपये का मिलेगा राजस्व!

सेक्टर-94 में भूखंड नीलामी की तैयारी शुरू : ओएसडी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशना (एनएमआरसी) को शीघ्र ही कई सौ करोड़ के राजस्व की प्राप्ति होने की उम्मीद है। वहीं इसका कुछ लाभ दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) को भी मिलेगा। दरअसल सेक्टर-94 में एनएमआरसी की करीब 40 हजार वर्ग मीटर भूखंड की नीलामी होने जा रही है।

अब इस भूखंड की ई-निलामी करने की तैयारी शुरू हो गई है। ई-निलामी की प्रक्रिया नोएडा प्राधिकरण के स्तर से की जा रही है। इस बारे में नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी महेंद्र प्रसाद ने बताया कि भूखंड को बेचने के लिए ई-निलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एजेंसियों से जल्द आवेदन

मांगे जाएंगे। इस निलामी से प्राप्त आय को एनएमआरसी की विभिन्न परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में लगाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि साल 2020-21 में कोविड के दौरान यह योजना निकाली थी लेकिन सफलता नहीं मिल पाई।

इस भूखंड की ई-निलामी से प्राप्त आय में से 85 प्रतिशत हिस्सा एनएमआरसी व 15 प्रतिशत हिस्सा डीएमआरसी- का होगा। सेक्टर-94 ओखला पक्षी विहार मेट्रो स्टेशन के पास यह भूखंड है। कई साल पहले यह भूखंड नोएडा प्राधिकरण ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन-डीएमआरसी-को दिया था। यहां पहले बड़ा स्टेशन बनना था लेकिन डिजाइन में बदलाव के चलते स्टेशन के पास डीएमआरसी की जगह खाली रह गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मुनाफा रणनीति

से हतवर्धक बताकर विभिन्न खाद्य-पेय उत्पाद बेचना आज के बाजार की मुनाफा रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भले ही वह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करता हो। ऐसे में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक फॉर्मूलेशन के अनुरूप न होने वाले किसी भी पेय पदार्थ के लेबल पर 'ओआरएस' यानी ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। निस्संदेह, यह एक जन-स्वास्थ्य की दिशा में हासिल एक बड़ी सफलता है, जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दरअसल, यह आदेश हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद सामने आया है। वास्तव में उन्होंने यह उजागर करने के लिये लंबा संघर्ष किया था कि कैसे कई चीनी युक्त कथित ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों को चिकित्सकीय समाधान के रूप में बेचने के लिये भ्रामक रूप से 'ओआरएस' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सालों से अभिभावक इस पेय पदार्थ की पैकेजिंग पर कारोबारियों द्वारा लिखे 'ओआरएस' शब्द पर भरोसा करते हुए बीमार बच्चों को पिलाते रहे हैं। वे इस बात से बेखबर थे कि पेय पदार्थ में चीनी की उच्च सांद्रता निर्जलीकरण की स्थिति को बढ़ावा दे सकती है। विशेष रूप से बच्चों को देने पर दस्त की स्थिति में यह घातक हो सकती थी। यहां उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित ओआरएस घोल में सावधानीपूर्वक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट्स का एक संतुलित मिश्रण निर्धारित होता है। जिसे बीमार बच्चों या व्यक्ति को शरीर में तरल पदार्थों व लवणों की कमी की पूर्ति के लिये तैयार किया जाता है। जबकि हकीकत यह है व्यावसायिक दृष्टि से बेचे जा रहे पेय पदार्थों का भले ही चिकित्सा वैधता का दावा किया जाए, लेकिन वे मीठे घोल के अलावा कुछ नहीं होते। जबकि हकीकत यह है कि इन बाजारू पेय पदार्थों की बिक्री से मोटा मुनाफा ही कमाया जा रहा था। यह तथ्य भी चौंकाने वाला ही है कि भारत में इस तथाकथित मीठे 'ओआरएस पेय' का सारा कारोबार लगभग एक हजार करोड़ रुपये के लगभग है। यहां तक कि कुछ पेय पदार्थों के ब्रांड मालिकों ने केवल तीन वर्षों में पांच गुना बिक्री का दावा किया है। उन्होंने ओआरएस बिक्री के चौदह फीसदी से अधिक हिस्से पर अधिकार करने का उल्लेख किया है। दरअसल, विभिन्न स्वाद वाले पेय पदार्थ को स्वास्थ्यवर्धक के रूप में पेश करके कंपनियों को अपने कारोबार में तेजी लाने का आसान मौका मिल जाता है। हकीकत में इसका लाभ कंपनियां अपने ब्रांड का भरोसा बढ़ाने और फार्मेसियों और किराने की दुकानों में समान रूप से उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में कामयाब होने में उठाती हैं। यह विडंबना है कि देश में कमजोर नियामक निगरानी के चलते ही इस मुनाफे के घातक कारोबार के विस्तार के लिये अनुकूल वातावरण बन पाया है। अब विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की सख्ती से इस मुनाफाखोरी के घातक कारोबार पर अंकुश लगाने में कामयाब मिल सकेगी। इस सारे प्रकरण का एक सबक यह भी है कि कैसे सतर्क नागरिक और नैतिक रूप से सजग चिकित्सक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम हो सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां अकसर प्रवर्तन कार्रवाई की कमी नजर आती है। निश्चित रूप से यह प्रकरण खाद्य विपणन और वैज्ञानिक प्रमाणों के बीच की खाई को भी उजागर करता है। दरअसल, यह जन स्वास्थ्य से जुड़ी एक ऐसी खाई है जिसे हमारी नियामक एजेंसियों को पाटने के लिये निरंतर सजग रहने की सख्त आवश्यकता है। ओआरएस जैसी साधारण, लेकिन जीवन रक्षक पेय की शुद्धता की रक्षा करते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने एक बार फिर से पुष्टि की है कि स्वास्थ्य की रक्षा कोई मार्केटिंग का नारा नहीं हो सकता। निश्चित रूप से विश्वास किया जाना चाहिए कि इस हालिया प्रतिबंध से आने वाले समय में मीठे-मीठे झूठों का अंत हो सकेगा।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि आपका न आदि है, न मध्य है और न अंत है। आपके असीम प्रभाव को वेद भी नहीं जानते। आप संसार को उत्पन्न, पालन और नाश करने वाली हैं। विश्व को मोहित करने वाली और स्वतंत्र रूप से विहार करने वाली हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-पतिदेवता सुतीय महुँ मातु प्रथम तव रेख।
महिमा अमित न सकहिं कहि सहस सारदा सेष॥

पति को इष्टदेव मानने वाली श्रेष्ठ नारियों में हे माता! आपकी प्रथम गणना है। आपकी अपार महिमा को हजारों सरस्वती और शेषजी भी नहीं कह सकते॥

सेवत तोहि सुलभ फल चारी। बरदायनी पुरारि पिआरी॥
देबि पूजि पद कमल तुम्हारे। सुर नर मुनि सब होहिं सुखारे॥

हे (भक्तों को मुँहमाँगा) वर देने वाली! हे त्रिपुर के शत्रु शिवजी की प्रिय पत्नी! आपकी सेवा करने से चारों फल सुलभ हो जाते हैं। हे देवी! आपके चरण कमलों की पूजा करके देवता, मनुष्य और मुनि सभी सुखी हो जाते हैं॥

मोर मनोरथु जानहु नीकें। बसहु सदा उर पुर सबही कें॥
कीन्हेउँ प्रगट न कारन तेहीं। अस कहि चरन गहे बैदेहीं॥

मेरे मनोरथ को आप भलीभाँति जानती हैं, क्योंकि आप सदा सबके हृदय रूपी नगरी में निवास करती हैं। इसी कारण मैंने उसको प्रकट नहीं किया। ऐसा कहकर जानकीजी ने उनके चरण पकड़ लिए॥

(क्रमशः..)

बिहार में मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुन: स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।

ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।

आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है।

जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

प्राइमरी स्कूलों की खेलों को बहाल करो

प्राथमिक विद्यालय स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की चर्चा तो दूर की बात लग रही है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय प्राथमिक स्कूलों की खेलों को ही यह कह कर बंद चुका है कि खेल गैर जरूरी, फिजूलखर्ची व समय की बर्बादी है। क्लासरूम पढ़ाई को संपूर्ण शिक्षा समझने वाले शिक्षा के कर्णधारों को कब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के बारे में ज्ञान होगा? खेल बच्चों को फिटनेस की तरफ मोडने का बहुत ही सरल तरीका है और फिटनेस के बगैर जीवन अधूरा है। शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, सट्रेंथ, इडोरेंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। बार बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं, किशोरों तक चरस, अफीम, समैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार, स्कूलों के प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए। यदि विद्यार्थी बचपन खत्म होते व किशोरावस्था में नशे से बच जाता है, तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है।

प्राथमिक विद्यालय में खेल परिचय तथा माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडना बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वह आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सके। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब

एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती बहुत बड़े खेल सुधार किए।

हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडना तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा। कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडने व शारीरिक क्रियाओं को करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है।

उससे हर मसल को उपयुक्त मात्रा में प्राणवायु मिलने से उसका समुचित विकास होता है। आज के विद्यार्थी को अगर कल का अच्छा नागरिक बनाना है तो हमें स्कूली पाठ्यक्रम में पढ़ाई के साथ-साथ ही उसके लिए सही फिटनेस कार्यक्रम भी देना होगा, तभी हम सही अर्थों में अपनी अगली पीढ़ी को संपूर्ण शिक्षित कर सकते हैं जो शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर अपने देश की सेवा कर सकें। इसलिए प्राथमिक स्कूलों की खेल को सरकार फिर से बच्चों की खेलों से शुरू करे ताकि किशोरावस्था से पहले पहले विद्यार्थी बच्चे खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़ जाएं।

-भूपिंद्र सिंह
अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक

राशिफल

कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जीवन में उन वस्तुओं की उपलब्धता रहेगी जिसकी जरूरत होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। सिरदर्द, नेत्र पीड़ा स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आय के नए सोर्स बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। प्रेम-संतान व व्यापार बहुत अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
सरकारी तंत्र से लाभ होगा। पिता का साथ होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। प्रेम, संतान अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्यवश काम बनेंगे। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। वाहन धीरे चलाएं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य प्रभावित।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय। प्रेम-संतान की स्थिति थोड़ा मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बनेगा। गृहकलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य ठीक ठाक, प्रेम-संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम व व्यापार अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य, प्रेम व संतान सबकुछ बहुत अच्छा।

विकास सुशासन पर बिहार में बनेगी एनडीए की सरकार: प्रणीत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक प्रणीत भाटी ने दावा किया है कि बिहार में सुशासन एवं विकास के बल पर एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने जा रही है।

उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार ने जंगल राज का खात्मा किया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बिहार में जंगलराज कायम था। एनडीए के सत्तासीन होने पर समाप्त हो चुका है और अब वहां की जनता सुशासन विकास एवं शिक्षा के बढ़ते विकास को लेकर वोट करने का मन बनाया है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार में तेजी के साथ विकास हो रहा है।

उन्होंने कहा कि विकास एवं सुशासन से पूरा बिहार खुशहाली के रास्ते पर चल रहा है। यही बात विपक्ष को रास नहीं आ रही है और विपक्ष एनडीए पर अनर्गल आरोप लगाने कम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब बिहार की जनता जागरुक हो गई है और किसी के बहकावे में आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से 14 नवंबर को आने वाले विधानसभा चुनाव परिणाम से साफ हो जाएगा कि बिहार की जनता एनडीए के साथ है।

भाजपा नेता ने की लोगों से मुलाकात

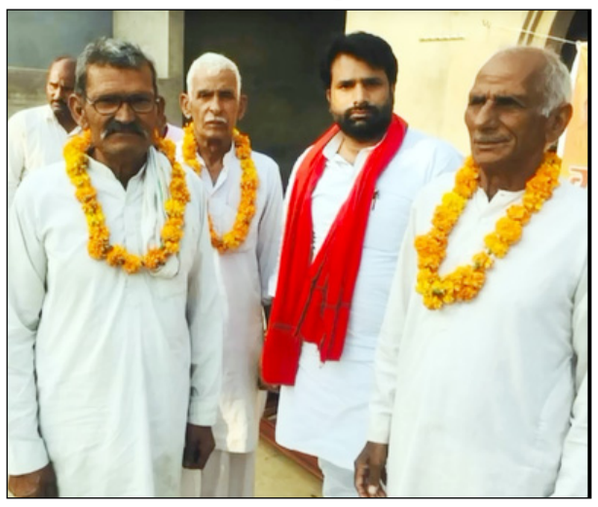

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं वार्ड नंबर-4 से जिला पंचायत सदस्य के भावी प्रत्याशी अमित भाटी ने कल नंगला नैनसुख, सैंथली गांव में लोगों से संपर्क कर उनकी समस्याओं को सुना।

उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं को सुनकर उसका निस्तारण करवाना मेरी पहली प्राथमिकता है।

सफाई व्यवस्था चरमराई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा साफ-सफाई में बहुत ज्यादा लापरवाही बरती जा रही है। त्योहार से पहले भी साफ-सफाई सही से नहीं की और त्योहार के बाद भी अभी तक साफ-सफाई नहीं की जा रही है। सभी गलियों में गंदगी एवं पत्तों के ढेरों से सेक्टरवासी परेशान हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण स्वास्थ्य विभाग के द्वारा साफ सफाई का टेंडर एंटोनी व मेसर्स सांई नाथ कंपनी के ठेकेदार को दिया गया है। झाड़ू लगाने के बाद पत्तों की ढेरियों को एक-2 हफ्ते तक ना उठाने के कारण आसपास के लोग उन पत्तों के ढेर में आग लगा देते हैं जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है।

नहाय-खाय के साथ आज शुरू होगा छठ

नोएडा (चेतना मंच)। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को नहाय-खाय के साथ आज से लोकआस्था का महापर्व यानी छठ पर्व शुरू हो रहा है। चार दिनों तक चलने वाले छठ का आज पहला दिन है। यह चार दिनों तक चलने वाले महापर्व की पहली कड़ी है, जो शारीरिक और मानसिक शुद्धता का प्रतीक मानी जाती है। छठ पूजा का मुख्य उद्देश्य सूर्य देवता की पूजा और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना है।

नहाय-खाय का दिन विशेष रूप से व्रतधारी की पवित्रता और मानसिक शुद्धता का प्रतीक होता है। इस दिन व्रती शरीर, आत्मा और घर को शुद्ध करते हैं। पवित्र नदी में स्नान करने के बाद, सूर्योदय से पूर्व सूर्य देव को जल अर्पित कर पूजा की जाती है। इसके साथ ही व्रती घर की सफाई करते हैं और घर के प्रत्येक कोने को शुद्ध करते हैं। इस दिन से व्रतधारी सात्विक जीवन के मार्ग पर चलते हैं, और उनका संकल्प होता है कि वे इस पर्व के दौरान केवल शुद्ध और सात्विक आचरण अपनाएंगे।

नहाय-खाय की शुरुआत सूर्योदय से पहले उठकर पवित्र स्नान करने से होती है। इस दिन गंगा नदी या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करना शुभ माना जाता है। स्नान के बाद व्रती घर की साफ-सफाई करते हैं, विशेष रूप से रसोईघर की सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। इसके बाद व्रति शाकाहारी भोजन करते हैं, जिसमें कद्दू की सब्जी, चावल, चना दाल आदि प्रमुख होते हैं। व्रती का मानना है कि नहाय-खाय के दिन किए गए शुद्धिकरण से छठी मां की कृपा प्राप्त होती है।

नशे के सौदागरों पर लगाया गैंगस्टर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संगठित गिरोह बनाकर नशे का काला धंधा करने वाले गिरोह के आठ सदस्यों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है। थाना ईकोटेक तीन पुलिस ने आठ लोगों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया है। गैंगस्टर में निरूद्ध किए गए आरोपी शिलांग और मेघालय से गांजा लाकर इसे स्कूल-कॉलेज यूनिवर्सिटी के आसपास बेचते थे।

थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि नशे का काला कारोबार करने वाले शिवम यादव सारांश श्रीवास्तव अमन पाल आशीष कुमार कृष्ण राणा संजीत गुप्ता विशाल कुमार तथा विशाल सेन के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के कार्रवाई की गई है। इस गिरोह का सरगना शिवम यादव है। थाना प्रभारी ने बताया कि शिवम यादव ने एक संगठित गिरोह बनाया हुआ है यह गिरोह जनपद गौतम बुद्ध नगर में नशीले मादक पदार्थ की तस्करी व बिक्री में सन लिप्त है। गिरोह के सदस्य शिलांग व मेघालय राज्य से गांजा व अन्य नशीले पदार्थ लाकर उसे स्कूल कॉलेज व यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं तथा आम जनता को भेजते हैं इससे युवा पीढ़ी नशे का शिकार होकर अपना तथा अपने परिवार का भविष्य खतरे में डाल रही है।

छठ पर्व की तैयारी पूरी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-75 के गोल्फ व्यू में छठ पूजा की तैयारी पूरी हो गई है। यह जानकारी छठ पूजा समिति के कर्ताधर्ता अमरेश श्रीवास्तव एवं ओपी तिवारी ने दी है।

अमरेश श्रीवास्तव ने बताया कि छठ पूजा की तैयारी पूर्ण हो गई है घर को पूरी तरह से तैयार करवा दिया गया है और आसपास के घाटों को नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने कटाई चढ़ाई करवाकर पूर्व से बना दिया है छठ पूजा ऐतिहासिक होगा।

पृष्ठ एक के शेष....

एनएमआरसी को करोड़ों....

इसके बाद नोएडा प्राधिकरण ने इसके बदले दूसरी जगह भूखंड डीएमआरसी को दे दिया।

यह भूखंड, पुराने भूखंड के मुकाबले डीएमआरसी को 15 प्रतिशत कम मिला। ऐसे में इस खाली भूखंड में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी डीएमआरसी की बनी हुई है। इस बीच यह भूखंड नोएडा प्राधिकरण ने एनएमआरसी को दे दिया था। इस भूखंड को देने का मकसद, इससे प्राप्त आय से खर्चा निकालना था। अभी भी एनएमआरसी के अंतर्गत नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो घाटे में चल रही है।

फ्रिज में लगी आग....

घायल सब्बी परवीन के पति मोहम्मद जाकिर बुलन्दशहर के निवासी हैं। जो कि ऑटो चालक हैं। पुलिस ने बताया कि वैशाली कंट्रोल रूम के माध्यम से समय रात्रि 2:25 पर सूचना प्राप्त हुई कि तुलसी निकेतन में चौकी के पीछे स्थित एक फ्लैट में आग लगी हुई है। सूचना पर तत्काल प्रभारी फायर टेंडर घटना स्थल के लिए रवाना हुए तो पाया गया कि फ्लैट न0 61a तुलसी निकेतन पर बाहर से ताला लगा हुआ था तथा अन्दर आग जल रही है। आसपास के काफी लोग इक्कठा थे मकान में रह रहे लोगों के विषय में कोई जानकारी नहीं थी। फ्लैट से धुआं बाहर आ रहा था तत्काल थाना पुलिस की सहायता से मकान का ताला तोड़ा गया। अंदर जाने पर देखा गया तो कमरे में रखा एक फ्रिज आग से धधक रहा था पूरे मकान में धुआं ही धुआं था। पंपिंग के द्वारा फ्रिज में लगी आग को बुझाया गया। मकान के सभी खिड़की दरवाजे खोले गए। जैसे ही धुआं थोड़ा कम हुआ तो मकान की तलाशी ली गई। तो देखा कि मकान के अंदर वाले कमरे में फर्श पर एक छोटी बच्ची और एक महिला अचेत अवस्था में पड़ी हुई मिली। जिन्हें पड़ोसी महिलाओं की मदद मकान से बाहर निकाला गया। और तत्काल स्थानीय पुलिस जीटीबी हॉस्पिटल दिल्ली ले जाया गया। पूछताछ में बताया कि दो दिन पूर्व ही उक्त फ्लैट में किराए पर शिफ्ट हुए है। घायल सब्बी परवीन के पति मो0 जाकिर मूलत: बुलन्दशहर के निवासी हैं। जो कि ऑटो चालक है। तथा घायल सब्बी परवीन मूल रूप से बिहार के किशनगंज की निवासी है।

बातों में उलझाकर....

पीड़ित के मुताबिक बैग में लैपटॉप, तीन क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड की केवाईसी, ड्राइविंग लाइसेंस, कार की आरसी व नगदी रखी हुई थी। उसने तुरंत डॉयल-112 पर फोन कर अपने साथ घटी घटना की जानकारी दी। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

कबाड़ी ने कंपनी से.....

गौरव कुमार के मुताबिक कंपनी में चोरी की घटना को अंजाम देने वाला अजीत नाम का कबाड़ी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि अजीत नामक कबाड़ी करीब 15 दिन पहले उनके कंपनी से कबाड़ लेकर गया था। फुटेज में कबाड़ी की शक्ल साफ-साफ दिख रही है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

रबूपुरा के अनिकेत....

जेल भेज दिया था। इस मामले में रबूपुरा पुलिस ने तीसरे आरोपी रचित पुत्र बॉबी निवासी मौहल्ला मीणा ठाकुरान कस्बा व थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर उम्र करीब 19 वर्ष को खेड़ा अण्डरपास के पास सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया है। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों का गठन किया गया है।

दो लोगों के मोबाइल....

लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पीड़िता की शिकायत पर थाना बिसरख पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

वहीं थाना सेक्टर-63 में जनपद अमरोहा निवासी मोहम्मद शहज़ेब ने घर से दो मोबाइल फोन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहम्मद साजिद के मुताबिक वह अपने जीजा के घर चोटपुर कॉलोनी आया था। 16 अक्टूबर की रात्रि को अज्ञात चोर ने घर से उसके दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए।

सड़क हादसों में ...

जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जनपद संभल की रहने वाली श्रीमती कल्लो ने थाना दादरी में दुर्घटना में अपने बेटे की मृत्यु होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। श्रीमती कल्लो के मुताबिक उनका बेटा देवेंद्र अपने साथी धीरेंद्र के साथ 13 अक्टूबर को बाइक से सूरजपुर से होते हुए संभल आ रहा था उसकी बाइक जैसे ही कोट नहर के पास पहुंची तो आगे जा रहे आयशर ट्रैक्टर के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। अचानक ब्रेक लगाने की वजह से देवेंद्र बाइक पर नियंत्रण नहीं रख पाया और वह ट्रैक्टर से टकरा गई। इस हादसे में देवेंद्र और विकास गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें नोएडा के सरकारी अस्पताल लाया गया यहां चिकित्सकों ने देवेंद्र को मृत्यु घोषित कर दिया और विकास को उपचार के लिए हायर सेंटर दिल्ली के लिए रेफर कर दिया। हायर सेंटर में भर्ती विकास की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वहीं थाना दनकौर में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मोहल्ला प्रेमनगर निवासी मुस्तकीम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 28 सितंबर को उनके भाई नईम घर से सिकंदराबाद के लिए गया था। बिलासपुर में वह टेंपो से उतरकर पैदल जा रहा था जैसे ही वह रामपुर गेट के पास पहुंचा तो पीछे से तेज गति में आ रहे वाहन ने नईम राइन को टक्कर मार दी। इस हादसे में नईम को गंभीर चोटें आई। उपचार के लिए उसे ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 14 अक्टूबर को इलाज के दौरान उसके भाई की मौत हो गई।

एयरपोर्ट की जमीन पर....

बावजूद इसके अतिक्रमणकर्ता लगातार निर्माण कार्य जारी रखे हुए हैं।

सोनू चौहान ने प्रदीप, देवी चरण, अजय, संजीव कौशिक, रमेश कुमार पाल, प्रकाश, सुनील कुमार, चंद्रभूषण गौड़, पप्पू, मुकेश, दीपक, रिशिपाल, सुरेश चंद, विवेक कुमार, धर्मवीर, मनवीर, दलवीर, बृजमोहन, रणवीर एवं जीतू आदि के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा अवैध अतिक्रमण करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में लेखपाल ने बताया कि उपरोक्त व्यक्तियों को कई बार नोटिस दिए जाने तथा बार-बार मना करने के बावजूद भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और लगातार अधिग्रहित जमीन पर निर्माण कार्य करने का प्रयास कर रहे हैं। लेखपाल की शिकायत पर थाना जेवर पुलिस ने 22 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

बता दें कि 2 दिन पूर्व थाना रबूपुरा में भी 90 लोगों के खिलाफ अधिग्रहित भूमि पर अवैध अतिक्रमण करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्रशासन द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई से अवैध अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

पोर्टर के जरिए शराब की तस्करी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस से बचने के लिए शराब तस्कर आए दिन नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। पुलिस और आबकारी विभाग ने दो ऐसे शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है जो पोर्टर पार्सल के माध्यम से दूसरे राज्यों से शराब मंगाकर ऑन डिमांड उसकी सप्लाई करते थे। आबकारी विभाग व थाना कासना पुलिस ने उनके पास से चंडीगढ़ मार्का की तीन पेटी शराब बरामद की है।

आबकारी निरीक्षक नामवर सिंह अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि घरबरा रोड कासना स्थित बिंदल मार्केट के सामने बनी एक इमारत में बड़ी मात्रा में अवैध शराब रखी हुई है। सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने थाना कासना पुलिस को साथ लेकर बताए गए स्थान पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस टीम को दो व्यक्ति एक बड़े पोर्टर पार्सल को उठाकर छिपाने का प्रयास करते हुए दिखाई दिए। पुलिस टीम ने जब पोर्टल पार्सल को खोलकर देखा तो उसमें से शराब की तीन पेटियां बरामद हुई। इन पेटियों में 139 पव्वे रखे हुए थे। पुलिस टीम ने मौके से विकास कुमार पुत्र दीपक कुमार व हिमांशु पुत्र जबर सिंह को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह दूसरे प्रदेश से पोर्टल पार्सल के माध्यम से कम दामों में शराब मंगाकर अन्य स्थानों पर सप्लाई करते हैं। पिछले काफी समय से वह अन्य राज्यों से शराब मंगाकर इसकी तस्करी कर रहे हैं। पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

खेत में लगे समरसेबल चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र में एक किसान के खेत में लगे सोलर पैनल की प्लेट, समरसेबल की मोटर व केबल चोरी कर ले गए। किसान की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। यह मामला चार माह बाद दर्ज हुआ है

मोहल्ला कचहरीयान जहांगीरपुर निवासी फरहीन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने अपने खेत पर 3 एचपी का सोलर सिस्टम लगाया हुआ है। 25 जून रात्रि को अज्ञात चोरों ने उसके खेत में लगे सोलर पैनल के ढांचे से तीन सोलर प्लेट, सबमर्सिबल पंप, केवल आदि चोरी कर लिया। चोरी की जानकारी मिलने पर उसने डॉयल 112 पर कॉल कर पुलिस को इसकी सूचना दी।

सूचना पर मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने करीब चार माह बाद मुकदमा दर्ज किया है।

शराब तस्कर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 60 पेटी शराब की बरामद हुई है। पकड़ी गई शराब की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपए है।

थाना प्रभारी अमित कुमार मान ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर 14 ए के नीचे वाहनों को चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर एक छोटा हाथी टेंपो को जांच के लिए रोका गया। टेंपो की तलाशी लेने पर उसमें शराब की पेटियां लदी हुई मिली। टेंपो में दिल्ली मार्का की 60 पेटी माउंटेन प्रीमियम शराब की रखी हुई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि टेंपो चालक राजकुमार निवासी दिल्ली को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह दिल्ली से सस्ती दरों पर शराब लाकर उसकी सप्लाई करता है। पकड़ी गई शराब की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपए है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान: ओएचई/जेआईएनडी, ओएचई/जेएचएल और ओएचई/एमएसजेड के अधिकार क्षेत्र में टीआरडी परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता में सुधार के संबंध में विविध कार्य।
2	अनुमानित लागत : Rs. 95,47,685.44/-
3	बयाना राशि : Rs. 1,91,000/-
4	ई-निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि: 03.11.2025 (10.30 बजे) से 17.11.2025 (15.00 बजे तक)
5	ई-निविदा समापन की अंतिम तथा ई-निविदा खुलने की तारीख और समय: 17.11.2025 (15.00 बजे)
6	निविदा छपाई की लागत: 07041032
7	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है: www.ireps.gov.in

सं: 26-क.वि. -नई दिल्ली-2025-26 दिनांक: 23.10.2025 3302/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पुतिन बोले-अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइलों से हमला हुआ तो जवाब देंगे

रूसी तेल कंपनियों पर ट्रम्प के प्रतिबंध दुश्मनी भरे कदम, इससे संबंध बिगड़ेंगे

मास्को, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि अगर हम पर अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइलों से हमला किया गया तो इसका कड़ा जवाब देंगे। पुतिन का ये बयान अमेरिका के दो रूसी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने के बाद आया है।

हालांकि, पुतिन बातचीत के लिए भी तैयार दिखे। पुतिन ये भी बोले, 'टकराव या किसी भी विवाद में बातचीत हमेशा बेहतर होती है। हमने हमेशा बातचीत जारी रखने का समर्थन किया है।'

दरअसल, 22 अक्टूबर को ट्रम्प-पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक रद्द होने के बाद अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लूकोइल पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसका मकसद रूस को जंग में मिल रही फंडिंग पर रोक लगाना है।

पुतिन ने ट्रम्प के इस कदम की आलोचना की और संबंधों के

बिगड़ने की बात कही। दरअसल, ट्रम्प अपने कार्यकाल की शुरुआत में रूस से अच्छे संबंध बनाना चाहते थे, लेकिन यूक्रेन जंग पर सीजफायर से बार-बार इनकार करने पर वे पुतिन से नाराज थे।

पुतिन बोले- अमेरिकी प्रतिबंध से तेल की कीमतें बढ़ेंगी

पुतिन ने आगे कहा कि रूसी तेल पर प्रतिबंध से सप्लाई कम होगी, जिससे तेल की कीमतें बढ़ेंगी। मैंने ट्रम्प से इस बारे में बात की थी। न सिर्फ रूस, बल्कि अमेरिका और पूरी दुनिया में तेल महंगा हो सकता है।

वहीं, यूएस ट्रेजरी विभाग ने कहा कि रूस जंग रोकने को लेकर गंभीर नहीं है, इसलिए ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। इस फैसले से अमेरिका के अधिकार क्षेत्र में आने वाली इन कंपनियों की सभी संपत्ति और हितों को प्रभावी रूप से ब्लॉक कर दिया गया है।

रोसनेफ्ट रूस की सरकारी कंपनी है, जो तेल की खोज, रिफाइनिंग और बिक्री में एक्सपर्ट है। लूकोइल एक निजी स्वामित्व वाली इंटरनेशनल कंपनी है, जो रूस और विदेश दोनों जगह तेल और गैस की खोज, रिफाइनिंग, मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन में काम करती है।

इन दोनों कंपनियों की 50% या उससे ज्यादा की डायरेक्ट या इनडायरेक्ट हिस्सेदारी वाली 36 सहायक कंपनियों पर भी प्रतिबंध लागू किए गए हैं।

अखबार द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, इन दो कंपनियों से रूस का आधा कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) निर्यात होता है। प्रतिबंधों के असर से वैश्विक तेल कीमतों में 5% की बढ़ोतरी हो सकती है। यूरोपीय संघ ने भी रूसी एलएनजी गैस पर बैन लगाने का फैसला किया है।

अमेरिकी ट्रेजरी ने 21 नवंबर 2025 तक का समय दिया है। इस अवधि में बाकी कंपनियों को रोसनेफ्ट और लूकोइल के साथ लेन-देन खत्म करने होंगे। अगर पालन नहीं किया गया, तो जुर्माना, ब्लैकलिस्टिंग या व्यापार प्रतिबंध लग सकते हैं।

भारतीय बिजनेस मैन मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआइएल) और रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट के बीच लंबे समय से मजबूत व्यापारिक रिश्ते हैं।

रिलायंस भारत की सबसे बड़ी रूसी कच्चा तेल खरीदार है, जो रूस से आने वाले कुल आयात का लगभग आधा हिस्सा संभालती है।

कनाडा का ऐड देख ट्रम्प नाराज, ट्रेड डील रद्द की

विज्ञापन बनाने में 634 करोड़ लगे, इसमें टैरिफ के खिलाफ बोल रहे थे पूर्व राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात को कनाडा के साथ सभी व्यापार बातचीत रद्द करने की घोषणा की है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया साइट ट्रुथ पर लिखा कि कनाडा ने धोखे से एक विज्ञापन चलाया है, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन टैरिफ के खिलाफ बोल रहे हैं।

ट्रम्प ने लिखा, 'रोनाल्ड रीगन फाउंडेशन ने बताया की कनाडा ने रीगन के फर्जी विज्ञापन का गलत इस्तेमाल किया। यह 1987 के रीगन के भाषण को तोड़-मरोड़ कर पेश करता है।' इस वीडियो में रीगन ट्रम्प के टैरिफ से आम लोगों पर हो रहे असर पर बात करते हैं। यह विज्ञापन 75 मिलियन डॉलर(634 करोड़ रुपए) का था।

दोनों पक्ष स्टील और एल्यूमीनियम जैसे क्षेत्रों में समझौतों पर हफ्तों से बातचीत कर रहे थे, लेकिन ट्रम्प की घोषणा ने इसे पूरी तरह रोक दिया है। ट्रम्प के फैसले के बाद कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन के साथ ट्रेड डील अब पहुंच से बाहर है।

कार्नी बोले- अमेरिका को मनमाने ढंग से बाजार में पहुंच नहीं मिलेगी

ट्रम्प ने पहले ही कनाडा पर 35% टैरिफ लगा रखा है। उन्होंने मेटल पर 50% और ऑटोमोबाइल पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ भी लगाए थे। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में हुए यूएस-मेक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत कवर होने वाले सामान टैरिफ से मुक्त हैं।

रॉयटर्स के अनुसार कार्नी ने कहा, 'अगर हम ट्रेड बातचीत में प्रगति नहीं कर पाते हैं, तो कनाडा अपने बाजारों में अमेरिका को मनमाने ढंग से पहुंच की अनुमति नहीं देगा।' उन्होंने कहा- हम अपने लोगों की सुरक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा करेंगे।

कनाडा को अमेरिका में मर्ज करना चाहते हैं ट्रम्प

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 8 अक्टूबर को अमेरिका के दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान ओवल ऑफिस में उन्होंने ट्रम्प से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने कई बार कहा है कि कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य बन जाए।

कार्नी ने इस मजाक को टाल दिया और कहा कि वह ट्रम्प की गाजा-इजराइल शांति योजना का समर्थन करते हैं और कनाडा इस में मदद करेगा। इसके अलावा कार्नी ने ट्रम्प की तारीफ की और भारत और पाकिस्तान समेत कई देशों के बीच शांति स्थापित करने का क्रेडिट दिया।

व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के दौरान कार्नी ने कहा, 'आप एक परिवर्तनकारी और खास राष्ट्रपति हैं। आपने अर्थव्यवस्था में बदलाव किया, नाटो देशों से रक्षा खर्च बढ़वाया और भारत-पाकिस्तान से लेकर अजरबैजान-आर्मेनिया तक शांति बहाल की।'

अमेरिका-कनाडा के बीच कुल ट्रेड 79 लाख करोड़ रुपए का

अमेरिका और कनाडा एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं, जहां हर रोज लगभग 15 हजार करोड़ रुपए के सामान और सेवाओं का आदान-प्रदान होता है।

आतंकी संगठन जैश ने 1500 आतंकी भर्ती किए

पाकिस्तान आर्मी की शह पर महिला ब्रिगेड की आड़ में रिक्रूटमेंट, 100 करोड़ की फंडिंग जुटाई

इस्लामाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान का आतंकी संगठन जैश-ए- मोहम्मद फिर सक्रिय हो गया है। उसने अपनी पहली महिला ब्रिगेड 'जमात-उल-मोमिनात' शुरू की है। इसकी भर्ती 8 अक्टूबर से शुरू की गई है। ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया की आड़ में असल में युवा आतंकियों को संगठन में शामिल किया जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने जैश का पाक के पंजाब सूबे के बहावलपुर में मरकज तबाह किया था। यह आतंकियों का मुख्य ठिकाना था। अब पाकिस्तान की आर्मी की शह पर जैश फिर से संगठित हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अब तक पंजाब और सिंध सूबे से लगभग 1500 आतंकी जैश में शामिल किए जा चुके हैं। साथ ही पाकिस्तान के शहरों में संचालित जैश के मदरसों और मस्जिदों से लगभग 100 करोड़ रुपए चंदा भी जुटाया जा चुका है।

ऑपरेशन सिंदूर के चलते जैश के पंजाब प्रांत और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई ठिकाने तबाह हो गए थे। इनकी मरम्मत के लिए जैश भर्ती के नाम पर फंड जुटा रहा है। जैश ने अगले महीने पाकिस्तान के शहरों में 100 से ज्यादा मरकज (सम्मेलन) करने का फैसला किया है। ऑनलाइन कोर्स के साथ-साथ इस ऑफलाइन आउटरीच का मकसद ग्रामीण इलाकों के युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें कट्टरपंथी धार्मिक विचारधारा में शामिल करना है। जिससे जैश के आत्मघाती दस्ते तैयार किए जाएं।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान को पानी देने से इनकार

कुनार नदी पर डैम बनाने की तैयारी, भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित की थी

काबुल, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के बाद अब अफगानिस्तान भी पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोकने के लिए डैम बनाने की तैयारी कर रहा है। अफगान सूचना मंत्रालय ने गुरुवार को X पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

सूचना मंत्रालय ने बताया कि तालिबान के सर्वोच्च नेता मावलवी हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने कुनार नदी पर जल्द से जल्द बांध बनाने का आदेश दिया है।

मंत्रालय के उपमंत्री मुहाजिर फराही ने गुरुवार को बताया कि पानी और ऊर्जा मंत्रालय को घरेलू कंपनियों को ठेका देकर बांध निर्माण जल्दी शुरू करने को कहा गया है। विदेशी कंपनियों का इंतजार नहीं करना है। अफगानिस्तान ने यह फैसला हाल में हुए संघर्ष के बाद लिया है।

9 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चले झड़पों में अफगानिस्तान के 37 नागरिक मारे गए और 425

घायल हुए थे। वहीं, भारत ने भी पहलगाम आतंकी हमले के बाद 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि को स्थगित कर पाकिस्तान की ओर जाने वाला पानी रोक दिया था।

480 किलोमीटर लंबी कुनार नदी अफगानिस्तान से निकलकर पाकिस्तान में चितराल नदी बनकर काबुल नदी में मिलती है। कुनार नदी का 70-80% पानी पाकिस्तान में आता है।

यह काबुल नदी फिर सिंधु नदी में शामिल होती है। अगर अफगानिस्तान बांध बनाकर कुनार का पानी रोकता है, तो पाकिस्तान को गंभीर नुकसान होगा।

इसका सीधा असर खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) पर पड़ेगा। इसके बाजौर, मोहम्मद जैसे इलाकों में खेती पूरी तरह इसी नदी पर निर्भर है। सिंचाई बंद होने से फसलें बर्बाद होने का खतरा बढ़ जाएगा।

इसके अलावा, पानी रोकने से पाकिस्तान के चितराल जिले में कुनार नदी पर चल रहे 20 से ज्यादा छोटे हाइडल प्रोजेक्ट प्रभावित होंगे। ये सभी प्रोजेक्ट रन-ऑफ-रिवर हैं, यानी यह सीधे नदी के बहाव से बिजली बनाते हैं। इससे पहले तालिबान के जल और ऊर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता मतीउल्लाह आबिद ने बताया था कि इस डैम का सर्वे और डिजाइन तैयार हो चुका है।

तालिबान सरकार का दावा है कि यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाता है तो इससे 45 मेगावाट बिजली पैदा होगी और लगभग 1.5 लाख एकड़ खेती को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। इससे अफगानिस्तान में ऊर्जा संकट और खाद्य सुरक्षा में सुधार होगा।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच काबुल नदी और इसकी सहायक नदियों के जल बंटवारे को लेकर कोई औपचारिक द्विपक्षीय समझौता नहीं है।

अमेरिका में भारतीय मूल के व्यक्ति पर अवैध रूप से काम करने का आरोप

15 साल की जेल हो सकती है

वाशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के 39 साल के मेहुल गोस्वामी को न्यूयॉर्क राज्य की सरकारी नौकरी के दौरान दूसरी कंपनी में काम करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। उन पर 'ग्रैंड लार्सेनी' (बड़ी चोरी) का आरोप लगा है।

जांच में पता चला कि उन्होंने करदाताओं के 50,000 डॉलर (लगभग 42 लाख रुपए) का दुरुपयोग किया। गोस्वामी न्यूयॉर्क स्टेट ऑफिस ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सर्विसेज में रिमोट काम करते थे।

यह उनकी मुख्य नौकरी थी, लेकिन मार्च 2022 से उन्होंने माल्टा में सेमीकंडक्टर कंपनी ग्लोबल फाउंड्रीज के लिए कॉन्ट्रैक्टर के तौर पर भी काम शुरू कर दिया। आरोप है कि गोस्वामी

सरकारी काम के घंटों में ही निजी कंपनी के लिए काम करते थे। इंस्पेक्टर जनरल लूसी लैंग ने कहा, 'सार्वजनिक कर्मचारियों पर ईमानदारी से काम करने की जिम्मेदारी होती है।

गोस्वामी का व्यवहार जनता के विश्वास का गंभीर उल्लंघन है। दूसरी फुल-टाइम जॉब करना सरकारी संसाधनों और करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है।' इसमें 15 साल तक की जेल हो सकती है।

इजरायल को झटका, डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ

फिलिस्तीन पर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में मजबूती से रखी बात

न्यूयॉर्क, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की संप्रभुता को अपना समर्थन दोहराया है। भारत और इजरायल के रिश्ते हालिया वर्षों में बेहतर हुए हैं लेकिन भारत ने फिलिस्तीन पर अपना रुख बरकरार रखा है। इजरायली रुख के उलट भारत ने फिलिस्तीन मुद्दे के टू-स्टेट समाधान पर एक बार फिर जोर दिया है। यूएन में भारतीय स्थायी प्रतिनिधि (पीआर) की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब इजरायली संसद में वेस्ट बैंक पर कब्जा स्थापित करने के विधेयक पर मतदान हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने गुरुवार को फिलिस्तीन पर बहस में अपनी बात रखी। उन्होंने

दोहराया कि व्यापक मध्य-पूर्व में स्थायी शांति प्राप्त करने के लिए संवाद, कूटनीति और द्वि-राज्य समाधान ही विकल्प है। हरीश ने इस दौरान फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय, राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता के अधिकारों के लिए भारत के अटूट समर्थन को दोहराया। पी हरीश ने फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय, राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता के अपरिहार्य अधिकारों के प्रति भारत के अटूट समर्थन को दोहराते हुए कहा कि एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य आर्थिक रूप से व्यवहार्य होना चाहिए। गाजा में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने फिलिस्तीन को 17 करोड़ डॉलर से अधिक की सहायता भेजी है, जिसमें 4 करोड़ डॉलर की परियोजनाएं शामिल हैं।

भारतीय प्रतिनिधि ने गाजा समझौते को हासिल करने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका की इस ऐतिहासिक पहल ने शांति की दिशा में कूटनीतिक गति प्रदान की है और सभी पक्षों को इस संबंध में अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। हरीश ने शांति समझौते को सफल बनाने में भूमिका के लिए मिस्र और कतर की मध्यस्थता की भी सराहना की।

भारत के विरोध के डर से चीन की शरण में पाकिस्तान

ब्रिक्स बैंक में एंट्री के लिए बीजिंग से गुहार, नए कर्ज पर नजर

इस्लामाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने ब्रिक्स समर्थित न्यू डेवलपमेंट बैंक में शामिल होने के लिए चीन से समर्थन मांगा है। पाकिस्तान की ओर से चीन से ये मदद ऐसे समय मांगी गई है, जब उसकी अर्थव्यवस्था संकट में है और देश नकदी की कमी का सामना कर रहा है। पाकिस्तान को ब्रिक्स बैंक में एंट्री मिलती है तो उसके लिए नए कर्ज के रास्ते खुल जाएंगे। हालांकि पाकिस्तान की ब्रिक्स बैंक में एंट्री के लिए भारत के विरोध का सामना करना पड़ सकता है, जो इस समूह का अहम सदस्य है। भारत और पाकिस्तान के संबंध बीते कुछ महीनों से बेहद तनावपूर्ण हैं। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान को न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) में

शामिल करने के लिए चीन से समर्थन मिल सकता है। बैंक के संस्थापक सदस्य भारत की ओर से इसका विरोध होना तय माना जा रहा है। ऐसे में पाकिस्तान फिलहाल चीन की शरण में पहुंचा है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने 2015 मे एनडीबी का गठन किया था। बैंक के इन पांच में से चार संस्थापक सदस्यों को समर्थन जुटाने की चुनौती पाकिस्तान के सामने है।

बैंक में संस्थापक सदस्यों यानी ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका की बराबर-बराबर 18.76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। समूह के नए सदस्यों में मिस्र के पास 2.24, बांग्लादेश के पास 1.77, अल्जीरिया पर 1.15 और संयुक्त अरब अमीरात के पास 1.04 प्रतिशत की छोटी हिस्सेदारी है। शंघाई स्थित एनडीबी उभरते बाजारों में विकास परियोजनाओं को फंडिंग करता है। ऐसे में पाकिस्तान की नजर इस बैंक पर जमी है।

पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय के मुताबिक, वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने हाल ही में चीनी उप वित्त मंत्री लियाओ मिन से मुलाकात की है। इस दौरान औरंगजेब ने चीनी मंत्री से एनडीबी की सदस्यता के लिए बीजिंग के समर्थन का अनुरोध किया। पाकिस्तान का मानना है कि चीन जैसे शक्तिशाली देश का समर्थन उसकी बैंक में एंट्री करा सकता है।

रूस के सुखोई फाइटर जेट के खिलाफ जेलेंस्की के हाथ लगा गेमचेंजर हथियार

मिलेंगे 150 ग्रिपेन-ई विमान, सू-30 से होगी टक्कर?

कीव/मॉस्को, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। करीब एक दशक बाद आखिरकार स्वीडन के फाइटर जेट एसएएबी ग्रिपेन-ई मल्टी रोल फाइटर जेट पर ऑर्डर्स की बारिश हो रही है। स्वीडन, थाईलैंड और कोलंबिया के बाद, युद्धग्रस्त देश यूक्रेन ने अब इन अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की खरीदने का फैसला किया है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो कीव ग्रिपेन-ई विमान का सबसे बड़ा ऑपरेटर बन सकता है। 22 अक्टूबर को स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच ये समझौता हुआ है। जिसके तहत यूक्रेन ने करीब 150 साब ग्रिपेन-ई लड़ाकू विमान खरीदने के मकसद से आशय पत्र (एलओआई) पर साइन किए हैं।

स्टॉकहोम में हुई इस ऐतिहासिक बैठक में स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एयर फोर्स सहयोग को गहरा करने पर सहमति जताई। अगर यह डील पूरी होती है तो यूक्रेन ग्रिपेन-ई का सबसे बड़ा ऑपरेटर बन जाएगा। स्वीडन सरकार ने बयान जारी कर कहा कि यह साझेदारी ना सिर्फ फाइटर जेट की खरीद तक सीमित रहेगी, बल्कि इसमें एयर कॉम्बैट, डिफेंस सिस्टम्स और टेक्नोलॉजी शेयरिंग भी शामिल होगी।

ग्रिपेन-ई लड़ाकू विमानों को लेकर यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब स्वीडन ने हाल ही में अपने पहले ग्रिपेन-ई को वायुसेना में शामिल किया है। पहले स्वीडन ने यूक्रेन को इन विमानों की सप्लाई से इनकार कर दिया था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सौदा तीन साल में पूरी तरह अमल में आ सकता है, यानी यूक्रेन को पहले बैच के जेट्स 2026 से मिलने शुरू हो सकते हैं। जेलेंस्की ने इस मौके पर कहा कि ग्रिपेन हमारे लिए सिर्फ एक विमान नहीं, बल्कि हमारी सुरक्षा और भविष्य का प्रतीक होगा। डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि स्वीडिश विमान, रूस के एसयू-30 और एसयू-35 के खिलाफ एक मजबूत लड़ाकू विमान साबित हो सकते हैं।

इजराइली वित्त मंत्री बोले- अरब के लोग रेगिस्तान में ऊंट चराते रहें, बाद में माफी मांगी

यरूशलम, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने सऊदी अरब के लोगों के रेगिस्तान में ऊंट चराने वाले विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी है। स्मोट्रिच ने पहले एक बयान में इजराइल और सऊदी अरब के बीच संबंध के मुद्दे पर तंज कसते हुए कहा था, "अगर सऊदी हमसे अच्छे संबंध रखने के बदले में एक अलग फिलिस्तीन देश चाहता है', तो हमें यह मंजूर नहीं है।"

इसके बाद स्मोट्रिच ने तंज कसते हुए कहा- सऊदी अरब रेगिस्तान में ऊंच की सवारी करता रहे, हम अपनी इकोनॉमी, समाज और देश के विकास में लगे रहेंगे। हम वो काम करेंगे जो हमें आता है। हालांकि इस बयान की आलोचना के बाद स्मोत्रिच ने एक्स पर एक वीडियो जारी किया।

तालिबान और पाकिस्तान जंग की असल वजह टीटीपी नहीं

क्या ट्रंप के साथ मिलकर बड़ा खेल कर रहे हैं मुनीर?

इस्लामाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगान तालिबान और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य झड़पों की वजह टीटीपी जैसे गुटों को माना जा है। पाकिस्तान का कहना है कि उसके सुरक्षाकर्मियों को निशाना बना रहे टीटीपी को अफगानिस्तान में पनाह मिल रही हैं। टीटीपी को लेकर पाकिस्तान की ओर से सार्वजनिक बयानबाजी की जा रही है लेकिन पर्दे के पीछे अलग कहानी होने का दावा किया जा रहा है। ऐसी अटकले हैं कि इस संघर्ष की जड़ में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अफगानिस्तान के बगराम सैन्य अड्डे पर नियंत्रण की इच्छा है।

अदिति भादुरी ने एनडीटीवी में अपने लेख में बताया है कि कैसे पाकिस्तान और अफगानिस्तान के झगड़े की जड़ बगराम है। ट्रंप ने कुछ समय पहले चेतावनी दी थी कि अगर तालिबान बगराम को वापस देने से इनकार करता है तो उसे बुरे अंजाम भुगतने होंगे। इसके कुछ दिन बाद इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हवाई हमले कर दिए। डोनाल्ड ट्रंप के पाक सेना प्रमुख असीम मुनीर के साथ संबंधों को देखते हुए कहा जा रहा है कि दोनों के बीच बगराम पर 'डील' हुई है।

अमेरिका का बगराम पर लंबे समय तक नियंत्रण रहा है। इसे वापस पाने की ट्रंप की कोशिश के कई कारण हैं। काबुल से सिर्फ 60 किलोमीटर दूर स्थित बगराम अमेरिका को यूरेशिया में पैर जमाने का मौका देगा,जहां से वह चीन, ईरान, रूस, मध्य एशियाई देशों के साथ-साथ पाकिस्तान और उसके परमाणु शस्त्रागार पर भी नजर रख सकेगा। ऐसे में ट्रंप इसे फिर से पाने के बेचैन हैं लेकिन तालिबान ने अभी तक इस पर कड़ा रुख अपनाया है।

अमेरिका का बगराम में आना पाकिस्तान के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। पाकिस्तान ऐसी सेवाएं प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर रहा है।

बगराम दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक है। अमेरिका के लिए बरगाम 20 साल तक सबसे बड़ा सैन्य केंद्र था। अमेरिका ने इस अड्डे पर फिर से कब्जा कियातो उसे रसद और व्यापक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बनाए रखने के लिए पाकिस्तान की आवश्यकता होगी। इससे पाकिस्तान को अच्छा राजस्व प्राप्त होगा।

हरकतों से बाज नहीं आ रहे नकवी

विजेता भारत की ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय से हटाकर अबु धाबी में रखी

एशिया कप ट्रॉफी विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी की जिद है। पहले उन्होंने खिताब विजेता भारत की ट्रॉफी चोरी कर एसीसी मुख्यालय में रखवाई, अब खबर आई है कि उन्होंने ट्रॉफी यहां से भी हटा दी और अबु धाबी में कहीं रखवा दी है।

एसीसी मुख्यालय से हटाकर अबु धाबी में रखी गई ट्रॉफी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने हाल ही में एसीसी मुख्यालय का दौरा किया था, जहां उन्हें बताया गया कि ट्रॉफी अब वहां नहीं है और वह अबु धाबी में मोहसिन नकवी की कस्टडी में है। बता दें कि, विवाद की शुरुआत तब हुई जब भारत ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत की पांच विकेट से जीत के बाद पोस्ट-मैच सेरेमनी करीब 90 मिनट तक टली रही। इस दौरान एक अधिकारी मंच से ट्रॉफी हटाकर उसे मैदान से बाहर ले गया, जिससे हड़कंप मच गया।

नकवी की मांग को भारत ने किया खारिज

भारत द्वारा ट्रॉफी की वापसी की प्रतीक्षा के बीच अब यह मामला नया मोड़ ले चुका है। इस महीने की शुरुआत में नकवी ने शर्त रखी थी कि अगर भारत सच में ट्रॉफी चाहता है, तो उसके प्रतिनिधि को आकर उनसे ट्रॉफी लेनी होगी। हाल ही में उन्होंने यह भी प्रस्ताव दिया कि भारत को एशिया कप 2025 की ट्रॉफी सौंपने के लिए वह एक औपचारिक समारोह आयोजित करना चाहते हैं। हालांकि, भारत ने उनकी इस मांग को ठुकरा दिया।

बीसीसीआई ने नकवी को औपचारिक पत्र भेजकर ट्रॉफी सौंपने की मांग की थी, लेकिन नकवी ने अपने जवाब में कहा कि वह ट्रॉफी खुद नहीं भेजेंगे, बल्कि भारत को किसी खिलाड़ी को भेजकर समारोह में इसे लेना होगा।

सितंबर के अंत में हुई एसीसी बैठक के बाद ऐसी खबरें आई थीं कि नकवी ने बीसीसीआई से माफी मांगी है, लेकिन अगले ही दिन उन्होंने इसे सिरे से नकार दिया। अब तक ट्रॉफी भारत को सौंपे जाने पर कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया गया है।

पाकिस्तान ने भारत में होने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी से नाम वापस लिया

भारत में होने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी से पाकिस्तान ने अपना नाम वापस ले लिया है। विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाला है। पाकिस्तान सीनियर हॉकी टीम हाल ही में राजगीर में आयोजित एशिया कप हॉकी में भी हिस्सा लेने नहीं आई थी।। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने अपनी सरकार से परामर्श के बाद, एफआईएच को एक आधिकारिक सूचना भेजी है, जो हॉकी इंडिया को सूचित करेगा। पाकिस्तान हॉकी महासंघ के सचिव राणा मुजाहिद ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट से बात करते हुए कहा, हमें लगता है कि मौजूदा हालात अनुकूल नहीं हैं। हाल ही में हुए एशिया कप क्रिकेट आयोजन में भी हमने भारत-

पाकिस्तान के रिश्ते में दूरी देखी है। उनके खिलाड़ियों ने हमारे खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया और फिर उन्होंने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से भी इनकार कर दिया। इसलिए टूर्नामेंट से बाहर रहने का फैसला लिया गया है।

पीएचएफ के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान सरकार से सलाह-मशविरा के बाद लिया गया। हमने सरकार और पाकिस्तान खेल बोर्ड से सलाह मांगी, जिन्होंने हमें बताया है कि मौजूदा राजनीतिक तनाव के बीच, जूनियर विश्व कप के लिए टीम को भारत भेजना संभव नहीं होगा क्योंकि यह एक बड़ा सुरक्षा जोखिम होगा। एफआईएच को इस फैसले के बारे में सूचित कर दिया गया है, जो हॉकी इंडिया को इस फैसले से अवगत कराएगा।

अधिकारी ने कहा, हम जानते हैं कि जूनियर टीम के लिए यह एक बड़ी क्षति है, लेकिन इस समय, इतनी नकारात्मक भावनाओं के बीच, यह फैसला सही और समझदारी भरा है।

पाकिस्तान ने अगस्त में एशिया कप टूर्नामेंट से भी अपना नाम वापस ले लिया था, जहां उनकी जगह बांग्लादेश ने ली थी। पाकिस्तान के हटने से उन्हें अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह गंवानी पड़ी क्योंकि यह टूर्नामेंट इस बड़े आयोजन का क्वालीफाइंग दौर था।

पाकिस्तान की जूनियर टीम ने हाल ही में मलेशिया में सुल्तान जोहोर कप में भारत के साथ मुकाबला किया था, जहां दोनों टीमों ने मैदान पर अपनी-अपनी जगह बनाने से पहले एक-दूसरे को खूब बधाई दी। यह मैच 3-3 से ड्रॉ रहा।

पाकिस्तान की जूनियर टीम एक साल से अधिक समय से अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ तीन सीरीज खेलकर विश्व कप की तैयारी कर रही है, लेकिन अब वह इसमें भाग नहीं ले पाएगी। पाकिस्तान को ग्रुप बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। एफआईएच अब किसी अन्य टीम को बुलाने पर फैसला करेगा।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास, अपनी ही धरती पर ऑस्ट्रेलियाई भी नहीं कर सके ये कारनामा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में खेले गए दूसरे वनडे मैच में भारत के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया। रोहित शर्मा भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच ऑस्ट्रेलियाई धरती पर वनडे मुकाबलों में 1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर 21 वनडे मुकाबलों में 56.36 की औसत के साथ 1,071 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 4 शतक और 3 अर्धशतक निकले। इस लिस्ट में विराट कोहली दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर मेजबान टीम के विरुद्ध 20 वनडे मुकाबलों में 42.21 की औसत के साथ 802 रन बनाए। कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी ही सरजमीं पर 3 शतक और 4 अर्धशतक लगा चुके हैं। लिस्ट में सचिन तेंदुलकर तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 1991 से 2012 के बीच 25 मुकाबलों में 740 रन जोड़े, जबकि 21 मुकाबलों में 684 रन बनाने वाले महेंद्र सिंह धोनी इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ फेहरिस्त में पांचवें पायदान पर मौजूद हैं, जिन्होंने 11 वनडे मुकाबलों में 683 रन जुटाए।

एडिलेड ओवल में जारी इस मुकाबले की बात करें, तो पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने खराब शुरुआत के बावजूद 9 विकेट खोकर 264 रन बनाए। भारतीय टीम 17 के स्कोर तक कप्तान शुभमन गिल (9) और विराट कोहली (0) का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से रोहित शर्मा ने श्रेयस अय्यर के साथ 118 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। रोहित शर्मा 97 गेंदों में 73 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अय्यर ने 77 गेंदों में 61 रन की पारी खेली। इनके अलावा, अक्षर पटेल ने 44 रन टीम इंडिया के खाते में जोड़े। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जांपा ने 60 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, जेवियर बार्टलेट ने 3 विकेट अपने नाम किए। शेष 2 विकेट मिचेल स्टार्क के हाथ लगे।

पीएसएल फ्रेंचाइजी के मालिक ने पीसीबी की उड़ाईं धज्जियां, सार्वजनिक रूप से फाड़ा कानूनी नोटिस

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की धज्जियां सरेआम पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की फ्रेंचाइजी के मालिक ने उड़ा दी। दरअसल, पीएसएल की फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तांस के मालिक अली तरीन ने वीडियो जारी किया और पीसीबी द्वारा भेजे गए कानूनी नोटिस को फाड़ दिया। पीसीबी ने तरीन को नोटिस भेजकर टीम का अनुबंध समाप्त करने की धमकी दी थी।

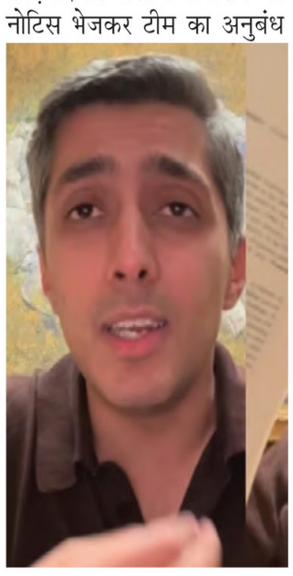

तरीन से माफी मांगने कहा था

अली तरीन और पीसीबी के बीच विवाद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। गुरुवार को इसका खुलासा हुआ कि पीसीबी ने इस फ्रेंचाइजी को कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस में फ्रेंचाइजी के मालिक से कहा गया है कि वह पीएसएल के संचालन के तरीके की आलोचना करने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे तथा ऐसा नहीं करने पर उनका फ्रेंचाइजी अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा।

यह नोटिस तब भेजा गया जब तरीन ने पीएसएल की सफलता के पीसीबी के दावों खारिज कर दिया था तथा सोशल मीडिया और पॉडकास्ट पर लीग के प्रबंधन के तरीके पर सवाल उठाए थे। एक पॉडकास्ट में उन्होंने दावा किया कि पीएसएल अब विश्व भर के लीग में पांचवें या छठे स्थान पर खिसक गया है क्योंकि लीग का प्रबंधन अयोग्य लोग कर रहे हैं।

इरफान पठान ने कोहली को दी संयम बरतने की सलाह बोले- रन बनाने के लिए बेताब नहीं होना चाहिए

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में लगातार दो बार शून्य पर आउट होने के बावजूद हताशा नहीं दिखानी चाहिए। भारतीय टीम पहले ही तीन मैचों की सीरीज में 0-2 से पीछे चल रही है, लेकिन कोहली की फॉर्म चिंता का विषय बन गया है। कोहली ऑस्ट्रेलिया दौरे पर संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। कोहली अब तक दो मैचों में खाता खोले बिना आउट हुए हैं। इस दिग्गज बल्लेबाज ने पर्थ में खेले गए पहले वनडे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी, लेकिन वह शुरुआती दोनों मैच में विफल रहे।

2027 वनडे विश्व कप खेलने का लक्ष्य रखने वाले कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैचों में खाता खोले बिना आउट हुए हैं। यह पहली बार है जब कोहली अपने वनडे करियर में लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं। कोहली का बल्ला एडिलेड में जमकर चलता है, लेकिन इस बार यहां भी वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और भारत के लिए बस वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि कोहली का लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में खेलना है।

इरफान बोले- बल्लेबाज का आनंद लेना होगा

इरफान ने कहा, दो मैच, दो बार शून्य पर आउट होना हमने ऐसा कम ही देखा है। ऐसा अक्सर नहीं होता। यह दबाव, सुस्ती या कुछ भी हो सकता है। ये सारी बातें सोशल मीडिया पर चल रही हैं और माहौल बनाया जा रहा है। हमें सावधान रहना होगा कि इन दोनों खिलाड़ियों पर इस माहौल का असर न पड़े। अगर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो वे नहीं खेलेंगे। वह इससे कैसे उबर सकते हैं? वह जल्दी से एक रन लेकर स्ट्राइक से हटना चाहते हैं। जब आप दो बार शून्य पर आउट हों तो आप रन बनाना चाहते हैं। लेकिन उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह हताश न हों। हताश होने पर वह बल्लेबाजी का आनंद नहीं ले सकेंगे। उन्हें बल्लेबाजी का आनंद लेते रहना होगा। एक बार जब वह समय बिता लेंगे, तो रन आएंगे और वह पीछे मुड़कर नहीं देखेंगे। कोहली को वनडे क्रिकेट सबसे ज्यादा पसंद है।

इरफान ने कहा, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने कमाल का प्रदर्शन किया है। इसलिए, अगर वे संघर्ष कर रहे हैं तो उनके साथ बने रहना जरूरी है। यह मुश्किल है क्योंकि यशस्वी जायसवाल बेंच पर हैं। लेकिन अगर आपके सिर पर तलवार लटक रही हो, तो खेलना आसान नहीं होता। मुझे उम्मीद है कि इसका असर कोहली पर नहीं पड़ेगा।

सर्वाधिक शतक लगाने वाली दूसरी महिला बल्लेबाज बनीं मंधाना, प्रतिका के साथ की रिकॉर्ड साझेदारी

भारतीय महिला टीम की उपकप्तान और स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को महिला विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी मुकाबले में शतक जड़ा। अपने वनडे करियर के 14वें शतक के साथ मंधाना महिला क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गईं। बता दें कि, भारत और न्यूजीलैंड के बीच महिला विश्व कप का 24वां मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में कीवियों ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है।

मंधाना और प्रतिका की रिकॉर्ड साझेदारी

इस मुकाबले में मंधाना ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 95 गेंदों में 109 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 88 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ स्टार बल्लेबाज ने 10 चौके और चार छक्के ठोके। पहले विकेट के लिए मंधाना ने प्रतिका रावल के साथ 212 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह भारतीय महिला टीम की विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना के बीच 2022 में हैमिल्टन में 184 रनों की साझेदारी हुई थी।

एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक शतक लगाने वाली बल्लेबाज

मंधाना ने वनडे में अपने 14वें शतक के साथ बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में उन्होंने तजमिन ब्रिट्स की बराबरी कर ली। दोनों ने 2025 में पांच-पांच शतक लगाए हैं। मंधाना ने अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया है, 2024 में उन्होंने चार शतक लगाए थे।

खेल संचालन अधिनियम के मसौदा नियमों पर जनता की ली जाएगी राय

14 नवंबर की समय सीमा तय

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल संचालन अधिनियम के मसौदे पर आम जनता की राय लेने का फैसला किया है। इस पर प्रतिक्रिया देने के लिए अंतिम तिथि 14 नवंबर तय की गई है। इस अधिनियम का उद्देश्य देश के खेल प्रशासन और विवाद समाधान व्यवस्था में सुधार लाना है। मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी), राष्ट्रीय खेल पंचाट (एनएसटी) और राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल (एनएसईपी) के मसौदा नियमों को अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया है और जनता से प्रतिक्रिया मांगी है।

मंत्रालय ने कहा, ये नियम राष्ट्रीय खेल संचालन अधिनियम 2025 के कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए तैयार किए गए हैं। यह अधिनियम खेल के सभी स्तरों पर नैतिक प्रथाओं और निष्पक्ष खेल को सुनिश्चित करने, प्राथमिक हितधारकों के रूप में खिलाड़ियों के हितों की रक्षा करने और देश में खेलों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।

यह प्रतिक्रिया मंत्रालय को डाक द्वारा या 'रूल्स-एनएसजीए2025@स्पोर्ट्स.जीओवी.इन' पर ईमेल द्वारा भेजी जा सकती है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया इस वर्ष के अंत तक एनएसबी को अंतिम रूप देकर 2026 की पहली छमाही में इस अधिनियम को लागू करने के इच्छुक हैं। मंत्रालय ने कहा, टिप्पणियां/प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 14 नवंबर 2025 है।

अभिनव बिंद्रा को मिला सम्मान, चुने गए 2026 शीतकालीन ओलंपिक के मशालवाहक

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को अगले साल होने वाले शीतकालीन ओलंपिक 2026 के लिए मशालवाहक चुना गया है। यह खेल आयोजन छह से 22 फरवरी 2026 के बीच इटली के मिलान और कॉर्टिना डी'अम्पेजो में होगा। बिंद्रा ने इस सम्मान की घोषणा करते हुए अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'मिलानो कॉर्टिना 2026 ओलंपिक मशाल रिले के लिए मशालवाहक चुने जाने पर मैं सचमुच बहुत खुश हूं। ओलंपिक मशाल का मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान रहा है। यह सपनों, दृढ़ता और खेल द्वारा हमारी दुनिया में लाई गई एकता का प्रतीक है।' बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने आगे कहा, 'एक बार फिर से ऐसा मौका मिलना सम्मान की बात है और यह इस बात की खूबसूरत याद दिलाता है कि खेल क्या संभव बनाते हैं। इस अविश्वसनीय सम्मान के लिए 'मिलानकोर्टिना2026' का धन्यवाद।' यह इटली द्वारा आयोजित चौथा शीतकालीन ओलंपिक होगा। इस सत्र में कुल 16 खेलों में 116 पदक स्पर्धाएं होंगी, जो बीजिंग 2022 की तुलना में सात अधिक हैं।

एशियाई युवा खेलों में भारत ने कबड्डी में दो स्वर्ण जीते, पदक तालिका में 5वें स्थान पर

भारत ने पश्चिम एशियाई देश बहरीन में आयोजित एशियाई युवा खेलों में शानदार प्रदर्शन किया है। बृहस्पतिवार को कबड्डी में दो स्वर्ण पदक जीतकर देश के युवा खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया। लड़कों और लड़कियों, दोनों टीमों ने स्वर्ण पदक हासिल कर भारत को तालिका में पांचवें पायदान पर पहुंचा दिया। अब तक भारत 2 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य (कुल 10 पदक) जीत चुका है। बता दें कि इस प्रतियोगिता का समापन 31 अक्तूबर को होगा।

बेटियों के शानदार प्रदर्शन पर दूतावास ने दी बधाई

स्वर्ण पदक जीतने के बाद बहरीन के भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर दोनों टीमों के खिलाड़ियों की तस्वीर और वीडियो क्लिप साझा की। युवा टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर बधाई देते हुए उच्चायोग ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, 'गर्ल्स कबड्डी की शान... भारत की गर्ल्स कबड्डी टीम ने बहरीन में एशियन यूथ गेम्स (#AsianYouthGames) में ईरान को 75-21 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया ! भारतीय कौशल, जज्बा और स्वर्ण !'

बहरीन में मिला मेडल भारत के लिए धैर्य और गौरव के साथ स्वर्णिम लम्हा

लड़कों की कबड्डी टीम को मिली रोमांचक जीत पर लड़कों को बधाई देते हुए दूतावास ने एक्स हैंडल पर लिखा, 'कबड्डी टीम ने ईरान को 35-32 से हराकर एशियन यूथ गेम्स, बहरीन में जीत हासिल की। दूतावास ने इसे भारत के लिए धैर्य, गौरव और स्वर्ण का लम्हा।

एशियाई युवा खेलों में भारत के पदकवीरों को जानिए:

स्वर्ण (2) – लड़कों की कबड्डी, लड़कियों की कबड्डी

रजत (3) – कनिष्का बिधुरी (कुराश), रंजना यादव (5000 मी. वॉक), अंबुरे शौर्या (100 मी. हर्डल्स)

कांस्य (5) – खुशी (कुराश), अरविंद (कुराश), जसमीन कौर (शॉट पुट), देबाशीष दास (ताइक्वांडो), यशविनी सिंह-शिवांशु पटेल (मिक्स्ड पेयर पूमसे)।

कबड्डी में भारत का दबदबा:

इसा स्पोर्ट्स सिटी में हुए फाइनल मुकाबलों में भारतीय टीमों ने अलग-अलग अंदाज़ में जीत दर्ज की। लड़कियों की टीम ने ईरान को 75-21 से करारी शिकस्त दी। भारत ने पहले हाफ में 33-12 की बढ़त बनाई और दूसरे हाफ में 42 अंक जोड़ते हुए विपक्षी टीम को मात्र 9 अंकों तक सीमित रखा। ग्रुप चरण में भी भारतीय लड़कियों ने बांग्लादेश (46-18), थाईलैंड (70-23), श्रीलंका (73-10) और ईरान (59-26) को हराकर अपराजित रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी।

लड़कों का फाइनल भी रोमांचक रहा। यहां भी भारत ने ईरान को 35-32 से हराया। पहले हाफ में भारत 21-16 से आगे था, जबकि दूसरे हाफ में ईरान ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारत ने तीन अंकों की बढ़त से जीत पक्की कर ली।

कबड्डी के अलावा एथलेटिक्स में भी तीन पदक

भारत ने एथलेटिक्स में दो रजत और एक कांस्य पदक जीते। रंजना यादव ने लड़कियों की 5000 मीटर वॉक में 23 मिनट 25.88 सेकंड का समय लेकर रजत पदक जीता, जबकि चीन की लियू शियी स्वर्ण विजेता रहीं। अंबुरे शौर्या ने लड़कियों की 100 मीटर हर्डल्स में 13.53 सेकंड में फिनिश कर दूसरा रजत हासिल किया। जसमीन कौर ने शॉट पुट में 14.86 मीटर के थ्रो से कांस्य पदक जीता।

ताइक्वांडो और कुराश में पदक

ताइक्वांडो में भारत ने दो कांस्य पदक जीते। देबाशीष दास लड़कों की व्यक्तिगत 'रिकग्नाइज्ड पूमसे' स्पर्धा के सेमीफाइनल में चीन के गाओ जिक्सुआन से मामूली अंतर से हारकर तीसरे स्थान पर रहे।

वहीं, यशविनी सिंह और शिवांशु पटेल की जोड़ी ने मिक्स्ड पेयर 'रिकग्नाइज्ड पूमसे' में थाईलैंड से हारकर कांस्य पदक हासिल किया। कुराश स्पर्धा में भारत ने एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। कनिष्का बिधुरी ने लड़कियों की 52 किग्रा श्रेणी में रजत जीता, जबकि खुशी (70 किग्रा) और अरविंद (83 किग्रा) ने कांस्य पदक प्राप्त किए।

विनायकी चतुर्थी:घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने और कुंडली के दोष दूर करने की कामना करें

भगवान गणेश और शनिदेव की पूजा

कल (25 अक्टूबर) कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि है, इसे विनायकी चतुर्थी कहा जाता है। ये व्रत भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए किया जाता है। खास बात ये है कि इस बार ये व्रत शनिवार को है। इस कारण इस चतुर्थी का महत्व और बढ़ गया है, क्योंकि शनिवार को शनि ग्रह की विशेष पूजा के साथ-साथ गणेश जी की आराधना करने से जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है।

विनायकी चतुर्थी का धार्मिक महत्व

विनायक शब्द स्वयं भगवान गणेश का पर्याय है। इस दिन गणेश जी की पूजा करने से व्यक्ति के सभी विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं और जीवन में सफलता के नए द्वार खुलते हैं। चतुर्थी तिथि के स्वामी स्वयं गणेश जी हैं। जो भक्त सच्चे मन से व्रत करता है, उसे ज्ञान, बुद्धि और निर्णय क्षमता की प्राप्ति होती है।

अगर ये चतुर्थी शनिवार को आए, तो इसका फल दोगुना माना गया है। कारण ये है कि शनिदेव को कर्म, न्याय और अनुशासन का देवता माना जाता है। शनिदेव की कृपा से व्यक्ति के जीवन से कष्ट दूर होते हैं और उसका कर्म मार्ग साफ होता है। इस दिन गणेश जी और शनिदेव दोनों की पूजा करने से कुंडली के ग्रहदोष भी शांत होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है।

इस दिन शनि को तेल अर्पित करने और गणेश पूजन करने से आर्थिक समृद्धि, पारिवारिक सुख और मानसिक शांति मिलती है। शनि को प्रसन्न करने के लिए "ऊँ शं शनैश्चराय नमः" मंत्र का जप करना चाहिए। साथ ही अपराजिता के नीले फूल शनिदेव को चढ़ाने चाहिए।

विनायकी चतुर्थी की पूजा विधि

स्नान के बाद लाल या पीले वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके पश्चात घर के मंदिर या पूजा स्थान में गणेश प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। पूजा आरंभ करने से पहले भगवान गणेश का ध्यान करें और यह संकल्प लें कि मैं चतुर्थी व्रत और पूजा पूर्ण श्रद्धा से करूंगा।

पूजन सामग्री और विधि

पूजन में गणेश जी को सिंदूर, दूर्वा (तीन पत्तों वाली घास), पुष्प, अक्षत (चावल), फल और मिठाई अर्पित करें।

धूप और दीप जलाकर श्रीगणेश की आरती करें। पूजा में श्री गणेशाय नमः मंत्र का जप करें। पूरे दिन व्रत के नियम का पालन करें। व्रतधारी को इस दिन अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए। फल, दूध, पानी या फलों का रस आदि लेकर फलाहार कर सकते हैं।

शाम के समय गणेशजी के समक्ष दीपक जलाकर पुनः पूजा करें। इस अवसर पर गणेशजी के 12 नामों का जप कम से कम 108 बार करना चाहिए। ये नाम इस प्रकार हैं—

ऊँ सुमुखाय नमः	ऊँ धूम्रकेतवे नमः
ऊँ एकदंताय नमः	ऊँ गणाध्यक्षाय नमः
ऊँ कपिलाय नमः	ऊँ भालचंद्राय नमः
ऊँ गजकर्णाय नमः	ऊँ गजाननाय नमः
ऊँ लंबोदराय नमः	इन नामों के जप से ज्ञान,
ऊँ विकटाय नमः	सौभाग्य और सफलता की
ऊँ विघ्ननाशाय नमः	वृद्धि होती है।
ऊँ विनायकाय नमः	

चंद्र कृष्ण पक्ष में घटता है और शुक्ल पक्ष में बढ़ता है

जीवन के दो पहलू हैं— अंधकार और प्रकाश। जैसे चंद्रमा कृष्ण पक्ष में घटता है और शुक्ल पक्ष में बढ़ता है, वैसे ही जीवन में भी उतार-चढ़ाव आते हैं। अंधेरी रातें निराशा लाती हैं, परंतु उजाले की ओर बढ़ना ही जीवन का मार्ग है। जो व्यक्ति अपने लक्ष्य पर अडिग रहता है, वह जीवन की कठिनाइयों से प्रभावित नहीं होता। संयम, शांति और संकल्प से ही सफलता प्राप्त होती है। जीवन में चाहे जैसी परिस्थितियां हों, यदि मन स्थिर हो और उद्देश्य स्पष्ट हो तो हर बाधा पार की जा सकती है। यही जीवन की सच्ची साधना है।

क्या गर्भवती महिलाएं छठ पूजा कर सकती हैं?

भारत में जब कार्तिक महीने की सुबहें छठी मैया के गीतों से गूंजती हैं, तो हर घर में श्रद्धा और आस्था का माहौल होता है। इस बार 25 अक्टूबर से छठ महापर्व की शुरुआत होने वाली है और इसका समापन 28 अक्टूबर दिन मंगलवार को होगा। इस पर्व में महिलाएं 36 घंटे निर्जला व्रत रखकर सूर्यदेव और छठी मइया की पूजा करती हैं। लेकिन अक्सर एक सवाल हर घर में उठता है क्या प्रेग्नेंट महिलाएं भी छठ का व्रत रख सकती हैं? अगर हां, तो किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं क्या गर्भवती महिलाएं छठ पूजा कर सकती हैं या नहीं...

नहाय-खाय के साथ शुरुआत

लोकआस्था का चार दिवसीय पर्व छठ की शुरुआत नहाय-खाय के साथ हो जाती है। इस व्रत में महिलाएं 36 घंटे निर्जला व्रत रखकर सूर्यदेव की उपासना करती हैं और अर्घ्य देती हैं। ऐसे में आम व्यक्ति के लिए छठ पर्व सामान्य हो सकता है लेकिन गर्भवती महिलाओं को इस पर्व में कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। आध्यात्मिक दृष्टि से छठ पूजा का भाव निष्ठा और शुद्ध मन से जुड़ा है, इसलिए व्रत की भावना निभाना ज्यादा जरूरी है, ना कि उसकी कठोरता।

इस तरह करें व्रत

डॉक्टरों और आयुर्वेद विशेषज्ञों की मानें तो छठ पूजा के व्रत में संपूर्ण उपवास और निर्जल रहना होता है, जो गर्भवती महिलाओं के लिए काफी कठिन और जोखिम भरा हो सकता है। इस दौरान डिहाइड्रेशन या ब्लड शुगर में कमी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं, जो मां और बच्चे दोनों के लिए नुकसानदायक हैं। हालांकि, अगर कोई महिला अपनी सेहत और डॉक्टर की सलाह के अनुसार व्रत को आस्था के साथ हल्के रूप में निभाना चाहती है जैसे फलाहार या नारियल पानी लेकर तो यह एक सुरक्षित विकल्प हो सकता है।

व्रत में इन बातों का रखें ध्यान

गर्भवती महिला का निर्जला व्रत रखना सही नहीं माना जाता है, यह मां और बच्चा दोनों के लिए नुकसान दायक हो सकता है। ऐसे में गर्भवती महिला फलाहार या तरल आहार जैसे नारियल पानी, दूध, साबूदाना, फल आदि चीजें ले सकती हैं। बीच-बीच में गर्भवती महिलाएं फल खा लें और नारियल और नींबू का पानी पीते रहें।

गर्भवती महिलाएं छठ पूजा में इन बातों का रखें ध्यान

गर्भवती महिलाएं छठ पूजा बेहद सावधानी से करें।
गर्भवती महिलाएं छठ पूजा में भारी सामान उठाने से बचें या बड़े बड़े कार्य करने से बचें।
पूजा की तैयारी या प्रसाद बनाने का काम परिवार के अन्य सदस्यों से करवाएं।
गर्भवती महिलाएं पूजा में ज्यादा देर तक खड़े होने से बचें और दवाइयों का ध्यान रखें।
गर्भवती महिलाएं ज्यादा चलने से और भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचें।

गर्भवती महिलाएं छठ पूजा में क्या करें?

गर्भवती महिलाएं छठ पूजा के दौरान छठी मईया का ध्यान करें।
गर्भवती महिलाएं छठी मईया से परिवार और बच्चे के लिए उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करें।
गर्भवती महिलाएं कम समय के लिए सुबह और शाम का अर्घ्य दें।

छठ पूजा से पहले भोपाल में बना एमपी का पहला मंदिर

दिवाली के साथ ही मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी छठ की रौनक देखने को मिल रही है। यहां के सभी घाटों पर तैयारी अब अपने अंतिम चरण पर पहुंच गई है। छठ पूजा से पहले मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रदेश का पहला छठ मैया का मंदिर बनकर तैयार हो गया है। लिंक रोड नंबर 3 स्थित 5 नंबर छठ घाट पार्क में प्रदेश का पहला छठ मैया मंदिर तैयार हो गया है। यहां दीपावली के बाद छठ पर्व पर 25 अक्टूबर लख रुपए की लागत लगी है। वहीं मैया की प्रतिमा मकराना संगमरमर से बनाई गई है, जो कि 6 फीट लंबी और 5 फीट ऊंची है। प्रतिमा को सूर्य देव के सात घोड़े और रथ का स्वरूप दिया गया है, जिसे 10 कलाकारों ने तीन महीने में बनाया है।

प्रतिमा के पीछे का कारण

बता दें, छठ मैया की पूजा निराकार स्वरूप में होती है, जिसमें प्रत्यक्ष रूप से भगवान सूर्य की आराधना ही छठ पर्व का

को वैदिक विधि विधान से पूजन-अर्चन होगा।अभी छठ मैया की प्रतिमा कांच के बाक्स में विराजित थी, जिसे अब मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। बता दें, छठ मैया की यह भव्य प्रतिमा जयपुर के राज्य सम्मानित कलाकार महावीर भारती और निर्मला बुल्हेरी ने बनाई है। प्रतिमा को मकराना संगमरमर के पत्थरों से तराशा गया है।

कलाकारों के अनुसार, प्रतिमा को बनाने में चुनौती 16 टन वजनी उपयुक्त पत्थर ढूंढने की थी। दो बार पत्थर बीच में ही टूट गए थे। तीसरी बार 8-8 टन के दो ब्लॉक पर कार्निंग कर यह प्रतिमा तैयार की गई।

तीसरे प्रयास में बनी प्रतिमा

छठ मैया की मूर्ति बनाने वाले कारीगरों का कहना है कि यह प्रतिमा तीसरे प्रयास में बनकर पूरी हुई है, जिसमें करीब 4।5 मूल भाव है। यही कारण है कि प्रतिमा में छठ मैया को सूर्य रूप में उकेरा गया है। कलाकारों ने जब फोटो मांगकर आकार तय करने की बात कही, तो उन्हें पूजा विधि व धार्मिक भावार्थ समझाया।

तीन महीने का लगा समय

कलाकार निर्मला ने बताया कि यह प्रतिमा 6 फीट लंबी, 4 फीट चौड़ी और 5 फीट ऊंची है। इसे 8-8 टन के दो ब्लॉक पर उकेरकर बनाया गया है। प्रतिमा में सूर्य देव के सात घोड़े और रथ पर आरूढ़ छठ मैया का स्वरूप उकेरा गया है। इस पर तीन महीने तक 10 से अधिक कलाकारों ने लगातार कार्य किया। निर्मला बताती हैं, पहले दो बार पत्थर टूट जाने से हम निराश हो गए थे, लेकिन तीसरे प्रयास में छठ मैया ने कृपा की और प्रतिमा बन कर तैयार हो गई।

सूर्य की गोद में लोक की आस्था

सुरेश गांधी

हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला छठ पर्व भारतीय लोकजीवन का वह अध्याय है, जहाँ आस्था का सूर्य अपनी संपूर्ण ज्योति बिखेरता है। यह कोई साधारण त्योहार नहीं, बल्कि मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य का महापर्व है। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह उस ग्रामीण चेतना, उस मातृशक्ति की साधना का भी उत्सव है जो सदियों से लोकजीवन में आत्मा की तरह रची-बसी है। छठ की शुरुआत चतुर्थी तिथि से नहाय-खाय के साथ होती है और सप्तमी को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर इसका समापन होता है। इन चार दिनों में श्रद्धा, संयम और तपस्या की पराकाष्ठा देखने को मिलती है। यह पर्व सादगी में भव्यता और मौन में संगीत का संदेश देता है। घुटन-सी खिसकती है जब घाट पर सुबह की पहली किरन टूटती है, जैसे कोई पुराना गीत अचानक ही दोहरा दिया गया हो। मिट्टी की सौंधी गंध, पानी की तरंगों पर उठती हुई हल्की सी परछाई और मन के भीतर एक अनंत-सा सन्नाटा, यही वह क्षण है जब लोक अपना चेहरा दिखाता है। छठ का यह महापर्व, जिसे हम सरलता और भक्ति के साथ मनाते हैं, वस्तुतः उस स्नेह का प्रतीक है जो मानव ने सूर्य से सदियों से जोड़ा है। इस पर्व का नाम बड़ा ही सहज, "सूर्य की गोद में लोक की आस्था" पर जो भाव इसमें घुला है, वह शब्दों से कहीं गहरा है।

छठ पर्व में आस्था का ताप, विज्ञान का प्रकाश और संस्कृति की सुगंध तीनों साथ चलती हैं। यह पर्व सिखाता है कि मनुष्य यदि प्रकृति के प्रति श्रद्धावान हो, तो जीवन स्वतः संतुलित हो जाता है। सूर्योपासना का यह लोकरूप हमें याद दिलाता है कि, "हम सब सूर्य की संतान हैं, प्रकाश के वारिस।" जब घाटों पर कोटि-कोटि हाथ अर्घ्य देने को उठते हैं, तब वह दृश्य केवल धार्मिक नहीं, मानव एकता का दर्शन होता है। सूर्य की रश्मियों में स्नान करती यह सभ्यता बताती है कि जीवन तभी पवित्र है, जब वह श्रम और श्रद्धा से प्रकाशित हो। छठ केवल व्रत नहीं, आत्मशुद्धि का अभ्यास है। यह बताता है कि जीवन की सारी कृतज्ञता सूर्य की ओर है। सूर्य, जो हर दिन हमें यह सिखाता है कि "डूबना अंत नहीं, अगली भोर की शुरुआत है।" छठ के दिन जब घाटों पर 'छठी मइया' की आरती होती है, तो लगता है जैसे पूरा ब्रह्मांड उस एक क्षण में नतमस्तक हो। छठ, वास्तव में, मानवता का सामूहिक प्रणाम है उस ऊर्जा को, जो सबके भीतर समान रूप से विद्यमान है। सूर्य की यह उपासना, मातृत्व की यह आराधना, और लोक की यह उजास, छठ भारत की आत्मा का उज्जवल प्रतीक है।

सूर्य और छठी मइया

छठ कोई बनावटी अनुष्ठान नहीं, यह लोक की स्वाभाविक वृत्ति है, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और जीविका के लिए धन्यवाद। यहां सूर्य केवल खगोलीय तारा नहीं, वह जीवनदायी शक्ति है, खेतों की हर फसल, नदी की हर लहर, घर की हर रसोई का आधार। लोक ने इस दृष्टि को मातृत्व का वेश देकर छठी मइया का रूप दे दिया, सूर्य की वात्सल्य-ऊषा का, प्रत्यूषा-ऊषा का, माँ का आंचल। यहां कोई पुरोहित नहीं होता, कोई जटिल मंत्र नहीं। हैं तो गीत, सरल, हृदय-गहरे, कामनाभरे गीत। हैं तो हाथों की थाली, सादे फल, गुड़-चावल, बोये हुए चने और हैं तो घाट की सफाई, घर की सादगी। यही लोक-साधना का सार है : पूजक और पूजा के बीच सीधा संवाद, बिना किसी मध्यस्था के।

चार दिन, अनगिनत भावनाएं

छठ के दिन चार होते हैं, नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और भोर का उदय अर्घ्य, पर इन चार दिनों में समाहित है जीवन का लंबा पाठ। नहाय-खाय में स्वच्छता का आग्रह है, शरीर की शुद्धि के साथ मन का संकल्प। खरना में गुड़-चावल की खीर और रोटी, साधारणता में महानता का संदेश। संध्या अर्घ्य में ढलते सूर्य को नमन और भोर में उगते सूर्य को पुनः प्रणाम। 36 घंटे का निर्जला उपवास व्रती के मन और इरादे को परखता है, यह त्याग, अनुराग और आत्म अनुशासन का प्रतिबिम्ब है। समाज के विभिन्न आयाम, धर्म, संस्कृति, पर्यावरण और विज्ञान, सब एक साथ चल पड़ते हैं इन पलों में। लोग सामूहिकता में घाट बनाते, दीप लगाते, गीत गाते हैं, और यही सामुदायिक भावना छठ को सिर्फ व्यक्तिगत पूजा नहीं, सार्वजनिक संस्कार बना देती है।

गीतों की मौन गूंजः लोक-संस्कृति का संगीत

छठ गीत, वही मुखर काव्य-प्रधान शब्द, जो पीढ़ी दर पीढ़ी घर-घर तक पहुँचा है, इस पर्व की आत्मा हैं। इन गीतों में सिर्फ देव से प्रार्थना नहीं, बल्कि समाज के लिए, रोगियों के लिए, निर्धनों के लिए मानवीय याचना भी समायी रहती है, "नेत्रहीनों को दृष्टि दो, रोगियों को स्वास्थ्य दो, निर्धनों को साधन दो।" लोकगीतों की यही मानवता छठ को व्यापक बनाती है; यहाँ मांग व्यक्ति-विशेष के लिए नहीं, समुदाय के कल्याण के लिए होती है। गीतों का स्वर, ताल और संवाद, सब मिलकर एक ऐसा परिवेश बनाते हैं जिसमें श्रद्धा का हर स्पर्श संवेदनशील हो जाता है। और जब घाट पर हजारों हाथ दीप लिए एक साथ उठते हैं, तब एक सामूहिक संगीत बनता है, यह संगीत केवल कानों तक नहीं, हृदय तक गया करता है।

छठ पर्व का सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक महत्व

छठ महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर दिन शनिवार से हो रही है और समापन 28 अक्टूबर दिन मंगलवार को होगा। भारत में जब लोग छठ मईया के गीत गाते हुए डूबते और उगते सूरज को अर्घ्य देते हैं, तो यह केवल आस्था का क्षण नहीं होता, यह प्रकृति और विज्ञान का संगम होता है। सदियों पुरानी यह परंपरा, जिसे आयुर्वेद और लोकसंस्कृति दोनों ने जीवन का संतुलन माना है। छठ पूजा की सबसे खास बात यह है कि यह केवल पूजा नहीं, बल्कि सूर्योपासना है। आइए जानते हैं छठ महापर्व की शुरुआत कहां से हुई।

वेदों में कहा गया है सूर्योऽत्मा जगतस्तस्थुषश्च यानी सूर्य समस्त जीवन की आत्मा है। वैज्ञानिक रूप से भी यही सत्य है। रामायण और महाभारत के अलावा विष्णु पुराण, देवीभागवत और ब्रह्मवैवर्त पुराण जैसे धर्मग्रंथों में छठ पर्व से जुड़े अनेक कथानकों का वर्णन है। इस पर्व की

शुरुआत महाभारत काल में कर्ण ने की थी। कर्ण भगवान सूर्य का परम भक्त था। वह प्रतिदिन घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देता था। च्यवन मुनि की पत्नी सुकन्या ने अपने बूढ़े हो चुके पति को पुनर्यौवन दिलाया था।

छठ पर्व में सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों समय पूजा की परंपरा है। यही समय वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सुबह 6 से 8 बजे और शाम 4 से 6 बजे तक की धूप यूवी-बी रे का सबसे संतुलित रूप होती है। ऐसी किरण जो त्वचा को नुकसान पहुंचाए बिना शरीर को पर्याप्त विटामिन डी प्रदान करती है। जब व्रती बिना किसी केमिकल लोशन या धूप से बचाव के सूर्य की किरणों को ग्रहण करती हैं, तो उनका शरीर प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स होता है और कोशिकाओं में कैल्शियम-फॉस्फोरस संतुलन बनता है।

ऐसे में छठ पूजा जैसी परंपराएं, जो प्राकृतिक धूप से जुड़ने का अवसर देती हैं, आज के तनावपूर्ण जीवन में और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। जब परिवार घाटों पर घंटों सूर्य की ओर मुख किए खड़े रहते हैं, तो यह केवल धार्मिक अभ्यास नहीं बल्कि सस्टेनेबल हेल्थ थेरपी का रूप है। दिलचस्प है कि आज पश्चिमी देश सन बाथ और हेलियोथेरेपी को स्वास्थ्य के लिए आवश्यक मान रहे हैं, वही सिद्धांत जो भारत ने हजारों साल पहले छठ पूजा के रूप में अपनाया था। आयुर्वेद में जल-चिकित्सा का जिक्र है। इसमें कटिस्नान को विशेष उपयोगी माना गया है ठीक वैसे जैसे कर्ण किया करते थे।

कोशिश है खुद को 'बेहतर' बनाने की सई मांजरेकर

कोशिश तो जारी है कि खुद को बेहतर बनाऊं, सुधार करूं। मुझे लगता है कि अभी तो यह मेरी शुरुआत है। मुझे बहुत कुछ करना है। अभी तो मैं अपनी नींव जमाने की ही कोशिश कर रही हूं।

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड और साऊथ इंडियन सिनेमा की अक्सर तुलना की जाती रहती है। इस पर सई मांजरेकर ने हाल ही में अपनी राय जाहिर की है। दोनों ही फिल्म इंडस्ट्रीज में काम कर चुकी सई ने बताया है कि दोनों फिल्म इंडस्ट्रीज में क्या अंतर हैं ।

सई ने इस बारे में बात करते हुए कहा, "मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती, कहानी और लोगों से जुड़ने का तरीका ही मायने रखता है। फिलहाल मैं बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं, लेकिन मैं किसी समय एक अच्छी मराठी फिल्म भी जरूर करना चाहूंगी। जब तक पटकथा मुझे उत्साहित करती है और निर्देशक का दृष्टिकोण मजबूत है, मैं अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्रीज में काम करने के लिए तैयार हूं।

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की तुलना पर सई ने कहा, "दोनों में काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी एक अलग कार्यशैली और जादू होता है। बॉलीवुड असाधारण भावनाओं और कहानियों को पेश करने के तरीके का जश्न मनाता है, जबकि साऊथ में मैंने अनुशासन की एक अद्भुत भावना और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा है, जिसकी मैं सचमुच प्रशंसा करती हूं। दोनों ही दुनिया ने मुझे अलग-अलग तरीकों से आकार दिया है । मेरे लिए यह खुद को निखारने का मौका भी है, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने का अवसर मिला है।

हालिया फिल्म

वह हाल ही में तेलुगु एक्शन थ्रिलर फिल्म 'अर्जुन सन ऑफ वैजयंती' में नजर आई थी। प्रदीप चिलुकुरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नंदमुरी कल्याण राम, विजय शांति, सोहेल खान और श्रीकांत जैसे सितारे भी हैं ।

अगली फिल्म

उसने नई फिल्म की घोषणा नहीं की है लेकिन सूत्रों के अनुसार सई जल्द ही राघव जुयाल के साथ एक रोमांटिक फिल्म में काम करने वाली है। प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने बताया, ₹राघव और सई की जोड़ी नई और अप्रत्याशित है। दोनों अपनी परफॉर्मेंस में एक खास गहराई और आकर्षण लाते हैं । फिल्म में रोमांस और सस्पेंस का शानदार मेल है, और दोनों की कैमिस्ट्री इस फिल्म की बड़ी खासियत होगी।₹

मंजीरे के लिए भाइयों से छिड़ती थी जंग

महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की धूम होती है । बप्पा को लेकर सई ने एक दिलचस्प किस्सा सुनाते हुए कहा, "गणेशोत्सव से जुड़ी बहुत सारी यादें हैं । हमारे घर में 'मंजीरे' थे, मराठी में इसे 'जंजे' कहते हैं। इसे आरती के दौरान बजाया जाता है। हम 8-9 भाई- बहन थे, लेकिन मंजीरे सिर्फ 5 थे, इसलिए हम हमेशा उनके लिए लड़ते थे। और जिन तीन को यह नहीं मिलता था, उन्हें ताली बजानी पड़ती थी इसलिए हम खूब लड़ते थे।

सई ने आगे कहा, "मुझे लगता है कि मैं साल में सबसे अधिक त्यौहारों के मौसम के दिनों के लिए उत्साहित रहती हूं, क्योंकि मेरा पूरा परिवार आता है। घर में हमेशा लोग होते हैं। हम हंसते हैं, खेलते हैं और स्वादिष्ट भोजन बनाते हैं। आरती के समय, हम खूब मस्ती करते हैं इसलिए मुझे लगता है कि बचपन से लेकर अब तक त्यौहारों की सारी यादें मुझे बहुत पसंद हैं।

पापा को मानती है प्रेरणा

इससे पहले सई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि उसके पिता हमेशा से उसकी प्रेरणा हैं, लेकिन कभी भी उसका शॉर्टकट नहीं रहे। मतलब कभी उसने अपने पिता के नाम का फायदा नहीं उठाया। पहली बार जब सई ने एक्टिंग करने का फैसला किया तब उसके पिता ने उसको सपोर्ट किया और साथ ही कहा था कि इसके लिए सई को खुद ही मेहनत करनी होगी और वह किसी फिल्म के लिए उसकी सिफारिश नहीं करेंगे।

बचपन से देखा फिल्मी माहौल

उससे एक इंटरव्यू में पूछा गया कि फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी होने के नाते उसने फिल्मी माहौल बचपन से देखा है, इस दुनिया के उतार-चढ़ाव भी देखे हैं। ऐसे में इस अनुभव का उसके करियर में कितना फायदा हुआ तो उसका कहना था, ₹जैसा आपने कहा, इसकी सबसे अच्छी बात यह रही कि मुझे इस इंडस्ट्री के अच्छे-बुरे सभी पहलू काफी पहले समझ में आ गए। जैसे असफलता है, मुझे यह क्लैरिटी शुरू से रही कि यहां आपकी सफलता और असफलता हर शुक्रवार तय होती है।

ऐसे में, आप असफलताओं के लिए भी बचपन से तैयार रहते हैं। आपको पता होता है कि यहां केवल ग्लैमर और चमक- दमक नहीं है । इसका एक अलग पक्ष भी होता है जिसे अगर यह इंडस्ट्री चुनते हो तो आपको स्वीकार करना पड़ेगा। मुझे यह बचपन से थी और लगता है कि अच्छा रहा कि मैंने यह बात जल्द ही स्वीकार कर ली ।

बेहतर बनने की कोशिश

अपने अभी तक के सफर को वह कैसे देखती है और एक अभिनेत्री के तौर पर खुद को बेहतर करने के लिए वह क्या कर रही है, पर उसने कहा, "कोशिश तो वही जारी है कि खुद को बेहतर बनाऊं, सुधार करूं। मुझे लगता है कि अभी तो यह मेरी शुरुआत है । मुझे बहुत कुछ करना है। अभी तो मैं अपनी नींव जमाने की ही कोशिश कर रही हूं । अभी उस पर कोई इमारत नहीं बनी है, क्योंकि मेरा मानना है कि नींव का मजबूत होना सबसे जरूरी है। उसके बाद सही फिल्में, सही कहानी, सही रोल वगैरह चुनने से आगे का रास्ता तय होगा और वही करने में लगी हुई हूं।'

प्यार पर भी रखी राय

वह अब तक कुछ लव स्टोरीज में भी काम कर चुकी है। तो उसके लिए प्यार के अर्थ क्या पूछने पर उसका कहना था, यह जिंदगी के लिए सबसे अहम चीज है । मेरे हिसाब से प्यार के बिना आप एक संपूर्ण जिंदगी नहीं जी सकते, वह प्यार पैरेंट्स, परिवार, पति, वाइफ जिसके लिए भी हो, वह जो अहसास है, उसमें जो सुकून और आराम मिलता है, वह अलग ही होता है।

फिल्म नगरी में होता है काला जादू : अमृता राव

अमृता राव हाल ही में फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आई है। इसके पहले भी कई फिल्मों में अपने अभिनय का जादू दर्शकों पर बिखेर चुकी अमृता ने एक बातचीत में यह सनसनीखेज दावा किया है कि उस पर किसी ने काला जादू किया था। उसने बताया कि पहले तो उसे यकीन नहीं हुआ, लेकिन जब उसने महसूस किया तो वह दंग रह गई थी।

उससे जब रणवीर ने ब्लैक मैजिक को लेकर सवाल पूछा तो उसने सवाल किया कि वह ऐसी चीजें क्यों पूछता है। रणवीर ने बताया कि जो सिंपल और साफ दिल के होते हैं, वे डार्क साइड से ज्यादा प्रभावित होते हैं।

अमृता ने तब दावा किया कि एक बार वह अपने गुरुजी से मिली थी। उन्होंने उस वक्त तो आशीर्वाद दिया लेकिन 1-2 दिन बाद उनकी मां से कहा कि उनकी बेटी पर किसी काला जादू किया है, वशीकरण किया गया है । अमृता यह बात सुनकर चौंक गई थी। उसने कहा, "मैं वशीकरण जैसी बात पर अपनी लाइफ में कभी भरोसा नहीं करती, अगर यह बात हमारे गुरुजी के अलावा किसी और ने बोली होती ।

अमृता ने आगे अपने गुरुजी के बारे में कहा, "मुझे पता है कि वह सच्चे हैं। उन्हें कुछ भी खोने का मलाल नहीं है । कुछ पाने की इच्छा नहीं है। उन्होंने मुझे बस सच बताया। उनकी बातें सुनने के बाद मुझे लगा कि शायद मुझ पर काला जादू हुआ था। अभी तक मैंने दूसरी एक्ट्रेसेस से ही सुना था कि इंडस्ट्री में काला जादू होता है । हालांकि मुझे कभी ऐसा फील नहीं हुआ था ।

फिल्में बंद, लौटाना पड़ा पैसा

अमृता ने कहा कि उसने उस वक्त तीन बड़ी फिल्में साइन की थीं और सभी बड़े बैनर की थीं लेकिन मजेदार बात है कि तीनों ही फिल्में नहीं बनीं। उसने साइनिंग अमाउंट भी ले लिया था लेकिन जब सब डिब्बाबंद हो गया तो उसे वे पैसे लौटाने पड़े थे ।

'विवाह' की सफलता के बाद मिलते खून से लिखे लैटर

अमृता ने 'विवाह' जैसी कई शानदार फिल्मों में काम किया है। उसने फिल्म 'विवाह' के बाद के समय के बारे में बात करते हुए कहा, "फिल्म 'विवाह' के बाद मुझे एन. आर. आईज के प्रपोजल मिलते थे फैमिली की फोटोज के साथ। जिसमें लोग कार, चेयर और डॉग के साथ खड़े होते थे और कहते थे कि 'मुझसे शादी कर लो' । मुझे ऐसे एक-दो नहीं, कई सारे शादी के प्रपोजल्स मिले। एक बार तो मुझे खून से लिखा लैटर मिला। यह सब मेरे लिए तब बहुत डरावना था ।

मैंने बेइंतहा प्यार किया: 'रिद्धि डोगरा'

रिद्धि डोगरा ने छोटे पर्दे पर नाम कमाने के बाद बड़े पर्दे पर खूब लोकप्रियता हासिल की है। आज वह मनोरंजन जगत में अपने हुनर से अच्छी-खासी पहचान बना चुकी है।

वहीं निजी जिंदगी में वह तलाक के दर्द से गुजर चुकी है। हाल ही में उसने खुलासा किया है कि कैसे प्यार की खातिर उसने खुद को ही नीचे गिरा दिया था। रिद्धि को टी.वी. शो 'मर्यादा' के सैट पर अपने को-स्टार राकेश बापट से प्यार हो गया था जिसके बाद 2011 में दोनों ने शादी कर ली। हालांकि, जब 2019 में वे अलग हुए तो फैंस का दिल टूट गया।

'जवान' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी रिद्धि ने एक इंटरव्यू में इस बारे में बात की। जब उससे पूछा गया कि प्यार के लिए उसने सबसे ज्यादा क्रेजी चीज क्या की है तो जवाब में उसने जो कहा, ₹वह अब सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है। रिद्धि ने कहा कि उसे पछतावा है कि उसने

प्यार में अपनी सैल्फ-वर्थ और सैल्फ-रिस्पैक्ट की धज्जियां उड़वा दीं। उसके अनुसार, अपने बारे में, अपने स्वाभिमान (सैल्फ- रिस्पेक्ट) के बारे में फिक्र न करके, मैंने बेइंतहा प्यार किया। तो मुझे लगता है कि प्यार के लिए जो मैंने सबसे पागलपन भरा काम किया है, वह यह है । यह किसी को भी नहीं करना चाहिए क्योंकि यह एक गिरावट है। उसने आगे कहा कि अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो यह प्यार नहीं है। उसके अनुसार, ₹यह प्यार नहीं है। प्लीज अपनी सैल्फ-वर्थ और सैल्फ-रिस्पैक्ट की धज्जियां मत उड़ाइए क्योंकि बदले में आप बस यही सोचते रह जाते हो कि 'मैं कौन हूं।

उसने कहा कि वह दोबारा किसी के लिए इस हद तक नहीं जाएगी। हालांकि, रिद्धि ने यह भी कहा कि तलाक के बाद वह दोबारा प्यार करने के लिए तैयार है । खूबसूरती का राज बताया वहीं उसने अपने ब्यूटी सीक्रेट के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह अपने चेहरे को ज्यादा नहीं छूती है। उसके अनुसार इससे स्किन को कई समस्याओं से बचाया जा सकता है। दरअसल, चेहरे को बार- बार छूने से हाथों पर मौजूद कीटाणु, तेल और गंदगी जैसी चीजें चेहरे की त्वचा पर लगती इससे मुंहासे हैं। और अन्य कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

इशिता दत्ता का डरावना अनुभव

ल ही में इशिता दत्ता ने मां हा बनने के बाद के अनुभवों को सोशल मीडिया पर सांझा करते हुए बताया कि डिलीवरी के बाद से उसे काफी ज्यादा बाल झड़ने की समस्या हो रही है, जो उसके लिए डरावना अनुभव है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए एक वीडियो में उसने कहा कि प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के बाद हार्मोन्स में बदलाव के कारण महिलाओं को बाल झड़ने और पोस्टपार्टम डिप्रैशन जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है ।

वीडियो में उसने बालों से भरा एक ब्रश भी दिखाया और बताया कि बालों झड़ने से उसे घबराहट हुई। डॉक्टरों ने उसे बताया कि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं । इशिता ने सभी नई मांओं को

हिम्मत देने की कोशिश की और कहा कि यह एक दौर है, जो गुजर जाएगा।

इशिता जल्द ही फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में काम करती दिखाई देगी। उसने बताया कि जब वह प्रैग्नेंट थी तभी उसने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उसके लिए एक चुनौती से भरा दौर था, लेकिन उसने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया।

इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उसने अपनी प्रैग्नेंसी की खबर को छुपाए रखा, ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उसकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है।

उसने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक 'नई शुरुआत' जैसा लग रहा है । उसने पोस्ट में लिखा, ₹इस फिल्म के लिए बेहद एक्साइटेड हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं प्रैग्नेंट थी । 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी की ब्लैसिंग चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई पहल के लिए एक्साइटेड हूं।'

'दे दे प्यार दे 2' की कहानी फिल्म में आयशा नामक लड़की की स्टोरी है, जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उससे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे।

फिल्म में रकुल प्रीत के पिता के रोल में आर. माधवन दिखाई देगा। पहले तो वह अपनी बेटी के इस रिश्ते से खुश रहता है लेकिन बाद में धीरे-धीरे उसका असली रूप सामने आता है। 'दे दे प्यार दे 2' को अंशुल शर्मा ने डायरैक्ट किया है। फिल्म की कहानी तरुण जैन ने लव रंजन के साथ मिलकर लिखी है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, लव रंजन, और अंकुर गर्ग निर्माता हैं।

हर हीरो का अपना अपना स्टाइल होता है : 'प्रियामणि'

प्रियामणि ने बॉलीवुडके बड़े सितारों, प्रि जैसे अजय देवगन, शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी के साथ फिल्मों तथा वैब सीरीज में काम किया है। प्रियामणि ने बताया कि कैसे इन सभी सितारों की काम करने की शैली अनूठी है। प्रियामणि ने करियर की शुरुआत में ही इतने प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ काम करने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में उनके साथ फिर से काम करने की उम्मीद जताई। बॉलीवुड स्टार अजय देवगन, शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के बारे में पूछे जाने पर प्रियामणि ने ₹उनमें से हर एक अपने आप में अनोखा और सुपरस्टार है। उनका वर्किंग स्टाइल बहुत अलग है। मैं अपने करियर की शुरुआत में ही उनके साथ काम करके खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हूं। और हां, अगर मुझे मौका मिले, तो मैं उन सभी के साथ फिर से काम करना पसंद करूंगी।

कहा, प्रियामणि ने आगे कहा, ₹तीनों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। वे इस सफलता के पूरी तरह हकदार हैं और मैं उन्हें इसी तरह आगे बढ़ने शुभकामनाएं देती हूं। बता दें कि प्रियामणि ने शाहरुख खान के साथ एटली की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जवान' में काम किया था। इस फिल्म में उसने लक्ष्मी का किरदार निभाया था। अजय देवगन के साथ प्रियामणि ने स्पोर्ट्स ड्रामा 'मैदान' में काम किया था इसमें अजय देवगन ने सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका निभाई थी। वह 1952 से 1962 तक भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम काल में क्रांति लाने वाले महान कोच थे।

प्रियामणि लोकप्रिय वैब सीरीज 'द फैमिली मैन' में मनोज बाजपेयी के साथ दिखाई दी थी । इसमें वह सुचित्रा का किरदार निभाती है।

इस सीरीज का तीसरा पार्ट बहुत जल्द रिलीज होने वाला है। राज और डीके ने इस सीरीज को बनाया है इसमें मनोज बाजपेयी, शारिब हाशमी, अश्लेषा ठाकुर और वेदांत सिन्हा जैसे कलाकार भी हैं । इसका नया सीजन दीपावली के आसपास ही रिलीज हो सकता है।

मेरा जोश दर्शकों को पसंद है : नोरा फतेही

डांस करना वाकई बेहद रोमांचक था। हर धुन को महसूस करना और यह जानना कि दर्शक भी साथ में थिरकना चाहेंगे, ने इसे बेहद रोमांचक बना दिया । यह गाना पूरी तरह से धमाकेदार है।

न्यूयॉर्क में प्रियंका चोपड़ा की दीवाली पार्टी में छाई नोरा फतेही हाल ही में न्यूयॉर्क शहर में प्रियंका चोपड़ा द्वारा शानदार दीवाली पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें कई बॉलीवुड और हॉलीवुड सितारे शामिल हुए। इस पार्टी में प्रियंका अपने पति निक जोनस के साथ नजर आई। वहीं नोरा फतेही ने भी अपनी मौजूदगी से सभी का दिल जीत लिया। प्रियंका ने की नोरा के गाने की तारीफ यह पार्टी दीवाली थीम पर थी । पार्टी के दौरान प्रियका ने नोरा के गाने 'दिलबर की आंखों का' गाने की तारीफ की।

वहीं नोरा ने भी इस पार्टी से कुछ अच्छी तस्वीरें शेयर की हैं। उसने इस मौके पर मनीष मल्होत्रा का चमकदार गोल्ड गाऊन पहना हुआ था, जो ऑल दैट ग्लिटर्स स्टाइल का है। यह टू-पीस कनाडा में रहने वाले एक मोरक्कन परिवार जन्मी और पली-बढ़ी नोरा का बॉलीवुड तक का सफर बहुत रोमांचक रहा है। यहां की भाषा न जानने के बावजूद अगर उसने इतनी लोकप्रियता और सफलता हासिल की है तो एक बड़ा कारण उसका जबरदस्त डांस रहा है।

आज के दौर की बॉलीवुड डांसर्स की बात हो तो नोरा का जिक्र होना लाजिमी हो जाता है । ' दिलबर दिलबर', 'कमरिया', 'नाच मेरी रानी' जैसे कितने ही गाने उसके धमाकेदार डांस की वजह से ही सुपरहिट हुए हैं। नोरा आज अपनी खूबसूरती, अदा, अंदाज के साथ ही डांस के कारण सबकी चहेती बन चुकी है।

पिछली बार जब नोरा ने फिल्म 'स्त्री' के 'कमरिया' गाने से स्क्रीन पर धूम मचाई थी, तो यह 43 करोड़ से ज्यादा व्यूज के साथ ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया और बॉलीवुड डांस एंथम्स के लिए एक नया बैंचमार्क सैट कर दिया । इन दिनों वह अपने हालिया रिलीज गाने 'दिलबर की आंखों का' को लेकर सुर्खियां बटोर रही है। इसके साथ वह उस मुकाम को और ऊंचा उठा रही है, जिसमें उसने स्टाइल, पावर और भव्यता का मिश्रण किया है। यह गीत आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'थामा ' का है जो इस दीवाली के मौके पर रिलीज होने जा रही है । यह बहुप्रतीक्षित सुपरनैचुरल थ्रिलर मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली कड़ी है।

इस गीत को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए नोरा ने कहा, 'दिलबर की आंखों का' में परफॉर्म करना वाकई बेहद रोमांचक था। हर धुन को महसूस करना और यह जानना कि दर्शक भी साथ में थिरकना चाहेंगे, ने इसे बेहद रोमांचक बना दिया । यह गाना पूरी तरह से धमाकेदार है और जोशीली परफॉर्मेंस और बॉलीवुड के प्रतिष्ठित ग्लैमर के दौर को आगे बढ़ाता है- वही जोश जो दर्शक हमेशा मुझसे देखना पसंद करते हैं। कोरियोग्राफी दमदार है, हुक स्टैप आकर्षक हैं और सैट पर हर पल ऐसा लगा जैसे संगीत की धड़कन के साथ थिरक रहे हों।

इस जोशीले गाने के लिए संगीत तैयार करने वाली प्रशंसित संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर ने कहा कि धुन के अलग-अलग स्तरों को समझना वाकई रोमांचक था। उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि यह गाना हर मायने में जीवंत लगे- बीट, संगीत और कलाकार के साथ इसके तालमेल का तरीका । यह एक ऐसा ट्रैक बनाने के बारे में है, जो आत्मा को बनाए रखते हुए ऊर्जा प्रदान करे। रश्मीत के स्वर और नोरा के प्रदर्शन के साथ काम करने से यह विजन एक स्टाइलिश और भावपूर्ण तरीके से जीवंत हो गया । '

रविवार को, रश्मिका ने इस डांस नंबर की शूटिंग के पीछे की कहानी सांझी की । उसने बताया कि गाने की लोकेशन अचानक से चुनी गई थी और शूटिंग सिर्फ 3-4 दिनों में पूरी हो गई ।

इसे वेमैनऔर मीका ने स्टाइल किया, वहीं प्रियंका ने श्री पीस सिल्वर ड्रैस में जलवा बिखेरा जबकि उसके पति निक ने मैचिंग पैंट के साथ सुंदर शेरवानी पहनी थी। अगली फिल्में नोरा की अगली फिल्मों की बात करें तो उनमें 'के डी : द डेविल' और 'कंचना 4' शामिल हैं । खास बात है कि इनमें वह केवल अपना शानदार डांस ही नहीं दिखाएगी, बल्कि अपने अभिनय से भी दर्शकों का दिल जीतने की कोशिश करेगी।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने किया सूरजपुर वेटलैंड का स्थलीय निरीक्षण

प्रवासी पक्षियों के संरक्षण व सौंदर्यकरण हेतु दिए निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम ने सूरजपुर वेटलैंड का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विंटर सीज़न में आने वाले प्रवासी पक्षियों का अवलोकन किया तथा वेटलैंड क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को वेटलैंड के संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने, स्वच्छता व सौंदर्यकरण के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं जनजागरूकता गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि सूरजपुर वेटलैंड को पारिस्थितिकी पर्यटन के एक मॉडल रूप में विकसित किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान प्रभागीय वन अधिकारी रजनीकांत मित्तल एवं वन विभाग के संबंधित अधिकारियों ने प्रवासी पक्षियों के संरक्षण व सौंदर्यकरण कार्यों की वर्तमान प्रगति की जानकारी दी तथा आगे की कार्ययोजना प्रस्तुत की।

महापर्व छठ पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। सूर्योपासना के महान पर्व छठ महापर्व के अवसर पर अखिल भारत हिन्दू महासभा और अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 27 अक्तूबर (कार्तिक शुक्ल षष्ठी) को संपूर्ण देश में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है।

डॉ. शर्मा ने अपने पत्र में कहा है कि छठ पूजा भगवान सूर्य की उपासना का महानतम पर्व है, जिसमें व्रती चार दिनों तक पूजा-अर्चना करते हैं और 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखते हैं। इस पर्व के दौरान पूजा-पाठ, व्रत, उपवास, साफ-सफाई और प्रसाद निर्माण जैसे अनेक कार्यों में पूरे परिवार की भागीदारी रहती है। ऐसे में उन्होंने आग्रह किया है कि इस दिन देशभर में सरकारी अवकाश घोषित किया जाए।

उन्होंने बताया कि बिहार, झारखंड, दिल्ली और उत्तराखंड में पहले से ही छठ पर्व पर अवकाश घोषित है। अन्य राज्यों में भी बड़ी संख्या में लोग यह पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाते हैं, इसलिए इसे राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

डॉ. शर्मा ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी पत्र लिखकर मांग की है।

उन्होंने जानकारी दी कि नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में छठ पर्व की तैयारियां जोरों पर हैं। सेक्टर-75 के गोल्फसिटी, प्लॉट-8 पर छठ घाट का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जहां स्वच्छ जल, प्रकाश एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। घाट के समीप सूर्य पिंड भी स्थापित किया गया है, जहां व्रती भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगी।

चित्रगुप्त मंदिर में हर्षोल्लास से संपन्न हुआ त्रिसंगमी त्यौहार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित अति प्राचीन

मनोकामना मंदिर मे चित्रगुप्त पूजा के दिन अति विशिष्ट त्रि-संयोग जैसे मंदिर पर प्राण प्रतिष्ठित भगवान चित्रगुप्त की द्वितीय स्थापना दिवस,चित्रगुप्त व कलम दवात पूजन और चित्रगुप्तवार की विशेष आरती का आयोजन संपन्न हुआ। इसमें ग्रेटर नोएडा वेस्ट की विभिन्न सोसायटी से सैकड़ो लोगो ने चित्रगुप्त भगवान का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया ।

भगवान का पूजन विद्वान पंडित के द्वारा विधान पूर्वक संपन्न करवाया गया गया। भक्तों ने पूजा अर्चना के बाद लेखनी प्रारंभ की। मान्यता है कि चित्रांश समाज के लोग दीपावली वाले दिन अपनी कलम प्रभु के चरणों मे रख देते है और कलम दवात पूजन के दिन पूजनोपरांत पुनः लेखनी प्रारंभ करते है।

नोएडा एक्सटेंशन की ऐस सिटी, फ्यूज़न होम्स,आम्रपाली लेजर,सुपर टेक इको विलेज , निराला एस्पायर ,अजनारा ली गार्डन, वेदान्तम, ला रेजीडेंसिया, पार्क एवेन्यू, रॉयल नेस्ट, ऑक्सफोर्ड, ग्रीन आर्क, ईको विलेज समेत विभिन सोसायटियों से सनातन समाज के लोग पहुचे।

कार्यक्रम का आयोजन चित्रांश परिवार द्वारा संपन्न कराया गया जिसमे मुख्य रूप से डॉ. राजीव वर्मा, अजय खरे, डॉ. दीपक सिन्हा, राकेश श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, संजय मणिमोहन, कमलाकांत श्रीवास्तव, श्याम सक्सेना, बीएन श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, विशाल सक्सेना उपस्थित रहे।

सेक्टर-122 में अधूरे कार्य से लोगों को परेशानी

नोएडा (चेतना मंच)। फोनरवा ने अधूरे कार्य को लेकर विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि सेक्टर-122 में आपके विभाग द्वारा इस क्षेत्र में कुछ समय पूर्व अंडरग्राउंड केबल (केवल) की मरम्मत/प्रतिस्थापन का कार्य किया गया था।

कार्य के दौरान सड़कों और गलियों को खोदा गया था। मरम्मत का कार्य लगभग 50 प्रतिशत तक किया गया, परंतु कार्य पूर्ण किए बिना ठेकेदार द्वारा कई स्थानों पर गड्ढे और मिट्टी ऐसे ही खुले छोड़ दिए गए हैं। केवल डालने के बाद खुदाई की गई मिट्टी को वापस भरने या समतल करने का कार्य अधूरा छोड़ा गया है।

इस कारण सड़कों पर लगातार धूल उड़ रही है, जिससे आसपास के निवासियों, बच्चों और बुजुर्गों को साँस संबंधी समस्याएँ तथा असुविधा हो रही है। यह स्थिति न केवल अस्वच्छ है, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण का भी कारण बन रही है।

विभाग को इस संबंध में मौखिक रूप से कई बार सूचित किया गया है, परंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

हाथियों पर मंडरा रहा बड़ा संकट, शिकार बढ़ा

नोएडा (चेतना मंच)। भारत में वन्य जीवों पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है।

शिकारियों ने अपने फायदे के लिए वन्य जीवों का शिकार कर संकट खड़ा कर दिया है। खासकर हाथियों के शिकार को लेकर चिंता भरी खबर सामने आई है।

पिछले कई वर्षों से जानवरों के शिकार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे नोएडा के समाजसेवी डॉ रंजन तोमर की एक आरटीआई से कुछ चिंताजनक जानकारियां सामने आयी हैं। उन्होंने एक आरटीआई लगाकर वन्यजीव अपराध नियन्त्र ब्यूरो से कुछ सवाल पूछे थे, जिसके जवाब में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

डॉ तोमर ने ब्यूरो से पूछा था कि जनवरी 2024 से लेकर अबतक कितने हाथियों का शिकार देश में हुआ है, इसके जवाब में ब्यूरो का कहना है कि 2023-24 में कुल 9 हाथियों का शिकार हुआ। जबकि 2024-25 में 14 हाथियों का शिकार हुआ है, इससे साफ पता चलता है की हाथियों का शिकार पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष बढ़ा है। हालाँकि पिछले दस वर्षों की तुलना में यह कम जरूर हुआ है किन्तु आज भी इतनी बड़ी संख्या में हाथियों जैसे इतने बड़े जानवर का शिकार हो जाना सरकारों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

ब्यूरो ने यह भी जानकारी दी है कि शिकार और गैरकानूनी हाथी दांत के व्यापार के सम्बन्ध में मंत्रालय द्वारा एक विशेष एसआईटी का गठन हुआ है जो रैमोना राष्ट्रीय उद्यान एवं बक्सा फारेस्ट डिवीजन में हुए हाथियों के शिकार सम्बन्धी जांच करेगी।

डॉक्टर तोमर ने अगले सवाल में पूछा था कि बाघों के लिए एक विशेष वेबसाइट बनाई गई है जिस पर बाघों के शिकार, उनकी स्थिति आदि की जानकारी आम जनता के साथ साझा की जाती है। डॉक्टर तोमर की मांग थी कि हाथियों के लिए भी ऐसी वेबसाइट बनाई जाए,जिसको मंत्रालय ने मान भी लिया था लेकिन अब तक वह वेबसाइट नहीं बन पायी है।

नन्हे खिलाड़ी तन्मय ने स्वर्ण जीतकर नाम किया रोशन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के नन्हे खिलाड़ी तन्मय मुटरेजा ने 11वीं उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय रोलर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता 12 से 15 अक्तूबर तक ग्रेनो रोलर क्लब, मलकपुर (सूरजपुर) में आयोजित हुई थी।

जी.डी. गोयनका ग्लोबल स्कूल, नोएडा में कक्षा 1 के छात्र तन्मय ने 4-6 वर्ष बालक वर्ग क्वाड स्केट्स श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले तन्मय ने गौतम बुद्ध नगर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की थी।

अब तन्मय विशाखापत्तनम में होने वाली 63वीं राष्ट्रीय रोलर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता (नेशनल) की तैयारी में जुट गए हैं। उनके कोच रोहन चौहान ने बताया कि तन्मय कैम्ब्रिज स्कूल, नोएडा में संचालित स्केट वर्ल्ड एकेडमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं और रोजाना 2 घंटे कठिन अभ्यास करते हैं।

प्रवासी महासंघ का 17वां छठ पूजा समारोह 27 को : आलोक वत्स

नोएडा (चेतना मंच)। प्रवासी महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रवासी महासंघ बहुत धूमधाम से 17वें छठ महापर्व का आयोजन करेगा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी एक अस्थायी कुंड बनाया जायेगा जिसे जल के साथ गंगाजल से भी भरा जाएगा जिसमें व्रती अस्ताचल गामी एवं उगते हुए सूर्य को अर्घ देकर इस महाव्रत को सम्पन्न कर सकेंगे इसके साथ ही देश के अलग अलग हिस्से से आए कलाकार जिनमें कत्थक नृत्यांगना अनु सिन्हा अपने ग्रुप के साथ एवं भोजपुरी गायिका अनन्या सिंह सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगी।

प्रवासी महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया ने बताया कि प्रवासी महासंघ के मूल उद्देश्य अपनी माटी से दूर हर प्रवासी के दुख सुख में सहभागी होना है।

प्रवासी महासंघ के महासचिव अवधेश राय ने बताया कि कार्यक्रम में व्रतियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा एवं छठ घाट में श्रद्धालुओं के लिए चारों तरफ सीढ़ीनुमा घाट बनाया जाएगा। किसी भी श्रद्धालु को अर्घ देने में परेशानी न हो। महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूजा संयोजक विकास तिवारी ने बताया कि छठ घाट का आकार 60म120 फीट का बनाया जा रहा है। लगभग 100 से अधिक वॉलेंटियर पूरे मेला परिसर में रहेंगे जो व्यवस्था को बखूबी संभालेंगे एवं सुरक्षा के लिहाज से ड्रोन द्वारा मेला परिसर की निगरानी की जाएगी इसके साथ ही छठ घाट में गंगा जल के साथ ताजे गुलाब के फूल डलवाये जायेगे।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि पूरे घाट की निगरानी सीसीटीवी द्वारा की जाएगी एवं वॉलेंटियर्स के साथ प्राइवेट सुरक्षा कर्मी भी घाट पर तैनात रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलराज मिश्र (पूर्व सांसद एवं राज्यपाल) अतिविशिष्ट अतिथि डॉ महेश शर्मा पूर्वकेंद्रीय मंत्री एवं सांसद गौतमबुद्धनगर), विशिष्ट अतिथि नोएडा विधायक पंकज सिंह ,श्रीमती विमला बाथम जी पूर्व अध्यक्ष उत्तरप्रदेश महिला आयोग सहित कई गणमान्य व्यक्ति हिस्सा लेंगे ।

इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष आलोक वत्स, कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया महासचिव अवधेश राय , कोषाध्यक्ष श्रीमती छाया राय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह तथा संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी मिथलेश राय, विकास तिवारी, विजय कुमार सिंह, मीनाक्षी साही, छोटेलाल शर्मा, अभिनव पांडेय, अनुज त्रिपाठी ,कमलेश तिवारी, आकाश तिवारी, मृत्युंजय त्रिपाठी, राजेश तिवारी, नितांत चौधरी, सतरंजन कुमार, श्रवण तिवारी एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

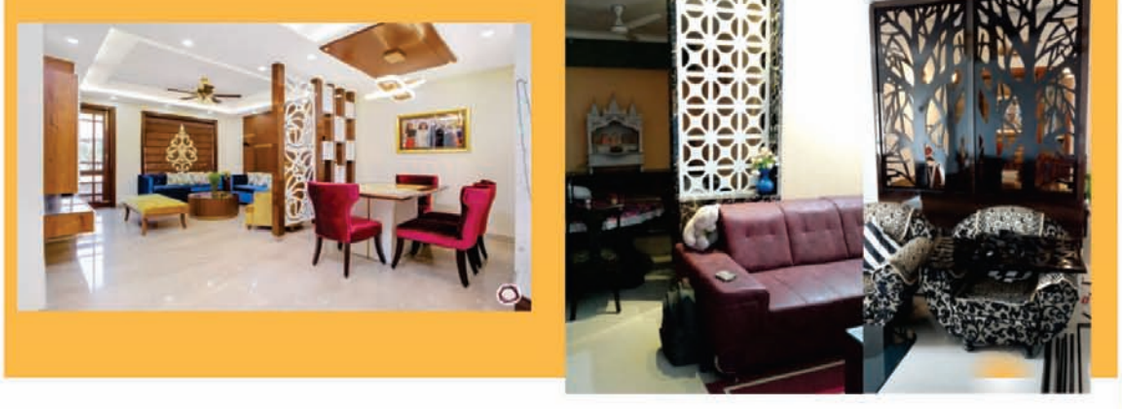

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com